राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 02 मई 2025 वर्ष-8,अंक-72 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

डिजिटल पहुंच का अधिकार अब मौलिक अधिकार

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाकर कहा कि डिजिटल पहुंच का अधिकार, जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का ही हिस्सा है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और बाकी अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कह दिया हैं कि देश के ग्रामीण इलाकों, बुजुर्गों, आर्थिक रूप से कमजोर लोगों, भाषाई अल्पसंख्यकों और दिव्यांगों के बीच जो डिजिटल खाई है, उस खाई को कम किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने केवाईसी (नो योर कस्टमर) प्रक्रिया में बदलाव करने के लिए निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि ब्रेल लिपि और आवाज-आधारित सेवाओं जैसे विकल्प तैयार किए जाएं, ताकि सभी लोगों तक डिजिटल सेवाएं आसानी से पहुंच सकें। कोर्ट ने कहा कि डिजिटल बदलाव समावेशी और न्यायसंगत होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आज के समय में जब जरूरी सेवाएं, शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक मौका डिजिटल माध्यमों से ही मिल रहे हैं, तब संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार को इन तकनीकी वास्तविकताओं के अनुसार फिर से परिभाषित करना होगा। समानता के सिद्धांत के अनुसार, डिजिटल बदलाव समावेशी और न्यायसंगत होना चाहिए। जस्टिस आर. महादेवन ने जस्टिस जेबी पारदीवाला के साथ मिलकर यह फैसला सुनाया। यह फैसला दो एसिड अटैक पीड़ितों की याचिका पर सुनाया गया था। इन पीड़ितों का चेहरा बुरी तरह से झुलस गया था और वे 100 प्रतिशत अंधे थे। उन्होंने बताया कि डिजिटल केवीईसी/ई-केवीईसी प्रक्रिया को पूरा करने में उन्हें दिक्कत हो रही है, क्योंकि वे पलक झपका कर लाइव फोटो नहीं ले पा रहे हैं। इसकारण वे बैंक खाता नहीं खोल पा रहे हैं और टेलीकॉम कंपनियों से सिम कार्ड नहीं खरीद पा रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका को स्वीकार कर मोदी सरकार और आरबीआई (भारतीय रिजर्व बैंक) जैसे अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे ग्राहकों की लाइव फोटो लेने के लिए दूसरे तरीके अपनाएं। ताकि डिजिटल केवाईसी समावेशी और सुविधाजनक हो सके। कोर्ट ने कहा कि पेपर-आधारित केवाईसी प्रक्रिया को भी जारी रखा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डिजिटल खाई को पाटना अब सिर्फ नीति का मामला नहीं है, बल्कि यह सम्मान, स्वतंत्रता और सार्वजनिक जीवन में समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक संवैधानिक जरूरत बन गई है। कोर्ट ने कहा कि डिजिटल पहुंच का अधिकार, जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार का ही एक हिस्सा है। इसलिए, राज्य को ऐसे डिजिटल सिस्टम बनाने और लागू करने चाहिए जो न केवल विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के लिए हों, बल्कि उन लोगों के लिए भी हों जिन्हें हाशिए पर धकेल दिया

गया है और जिन्हें ऐतिहासिक रूप से अलग रखा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डिजिटल पहुंच का अधिकार अब मौलिक अधिकार है। इसका मतलब है कि हर किसी को डिजिटल सेवाओं का उपयोग करने का समान अवसर मिलना चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि डिजिटल तकनीक सभी के लिए सुलभ हो और कोई भी पीछे न छूटे।

पीएम मोदी और शाह ने महाराष्ट्र दिवस पर दी बधाई कहा राज्य का गौरवशाली इतिहास रहा

नई दिल्ली। आज गुरुवार को महाराष्ट्र दिवस है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को बधाई देते हुए कहा है कि राज्य का इतिहास बेहद गौरवशाली है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत के विकास में हमेशा अहम भूमिका निभाने वाले राज्य महाराष्ट्र के लोगों को महाराष्ट्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। जब महाराष्ट्र के बारे में सोचते हैं तो इसका गौरवशाली इतिहास और लोगों का साहस हमारे दिमाग में आता है। यह राज्य प्रगति का एक मजबूत स्तंभ बना हुआ है और साथ ही अपनी जड़ों से भी जुड़ा हुआ है। राज्य की प्रगति के लिए मेरी शुभकामनाएं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी महाराष्ट्र दिवस की बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, सांस्कृतिक पुनर्जागरण की पावन भूमि महाराष्ट्र के लोगों को महाराष्ट्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। चाहे अपने धर्म की रक्षा का संकल्प हो, लोक कला हो, कृषि संस्कृति का विकास हो या देश की आर्थिक समृद्धि हो। महाराष्ट्र ने देश के इतिहास में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। महाराष्ट्र के मेरे भाई-बहन अपने अटूट प्रेम और कड़ी मेहनत के लिए प्रसिद्ध हैं। महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर मैं छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमि के लोगों को निरंतर प्रगति और समृद्धि की कामना करता हूं। वहीं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने सरकारी आवास 'वर्षा' पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने किया कोटा और डकनिया स्टेशन का निरीक्षण

दोनों स्टेशनों को वर्ल्ड क्लास बनाने खर्च होंगे 350 करोड़

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कोटा और डकनिया रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया। दोनों स्टेशनों का कायाकल्प अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत किया जा रहा है, जिसकी कुल लागत 350 करोड़ रुपये है। निरीक्षण के दौरान बिरला ने रेलवे अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्य प्रगति की समीक्षा की और समयबद्ध रूप से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने बताया कि न केवल स्टेशनों के भीतर, बल्कि स्टेशन से सटे बाजार, सड़क और यातायात व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया जा रहा है ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सके। उन्होंने कहा कि भविष्य में कोटा से देश के हर राज्य के लिए सुगम रेल यात्रा सुनिश्चित की जाएगी।

मजदूरों के बीच पहुंचे और जताया सम्मान

मजदूर दिवस के अवसर पर स्पीकर बिरला निर्माण कार्य में जुटे श्रमिकों के बीच पहुंचे। उन्होंने श्रमिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और विभिन्न प्रदेशों से आए मजदूरों के योगदान की सराहना की। इस मौके पर उन्होंने मजदूरों को उपहार भी वितरित किए। बिरला ने कहा, भारत के नवनिर्माण में श्रमिक वर्ग की अहम भूमिका है। उनका समर्पण ही देश को

संवैधानिक संस्थाएं अपने-अपने दायरे में सीमित रहें तभी होता है परस्पर सम्मानः उपराष्ट्रपति धनखड़

लखनऊ ।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि देश की सभी संवैधानिक संस्थाओं का एक-दूसरे का सम्मान करना बाध्यकारी कर्तव्य है और यह सम्मान तभी होता है जब सभी संस्थान अपने-अपने दायरे में सीमित रहते हैं। उन्होंने कहा कि संस्थाओं के टकराव से लोकतंत्र फलता-फूलता नहीं है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने गुरुवार को यहां उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के जीवन वृतांत पर आधारित पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' के विमोचन के अवसर पर पहलगाम आतंकवादी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि राष्ट्र प्रथम ही हमारा सिद्धांत होना चाहिए। मगर सबसे खतरनाक चुनौती वह है जो अपनों से मिलती है। उन्होंने हाल में संसद में पारित वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर उच्चतम न्यायालय के रुख की तरफ इशारा करते हुए कहा कि कई ऐसी चुनौतियां हैं जिसकी हम चर्चा नहीं कर सकते। जो चुनौती अपनों से मिलती है जिसका तार्किक आधार नहीं है, जिसका राष्ट्र विकास से संबंध नहीं है और जो राजकाज से जुड़ी हुई है। इन चुनौतियों का मैं स्वयं भुक्तभोगी हूं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह हमारा बाध्यकारी कर्तव्य है कि हमारी संवैधानिक संस्थाएं एक-दूसरे का सम्मान करें और यह सम्मान तभी होता है जब सभी संस्थाएं अपने-अपने दायरे में सीमित रहती हैं। हमारा लोकतंत्र तब फलता फूलता नहीं है जब संस्थाओं के बीच टकराव होता है। संविधान इस बात की मांग करता है कि समन्वय हो, सहभागिता हो, विचार विमर्श हो, संवाद और वाद-विवाद हो। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति जैसे गरिमापूर्ण पद पर टिप्पणी करना मेरे हिसाब से चिंतन का विषय है और मैंने इस बारे में अपनी चिंता व्यक्त की है। सभी संस्थाओं की अपनी-अपनी भूमिका है। एक संस्था को दूसरी संस्था की भूमिका अदा नहीं करनी चाहिए। हमें संविधान का उसकी मूल

भावना में सम्मान करना चाहिये। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से विधायिका विधिक फैसले नहीं ले सकती, यह न्यायपालिका का काम है, ठीक उसी तरीके से सभी संस्थाओं को अपने दायरे में सीमित रहना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि मैं न्यायपालिका का सबसे ज्यादा सम्मान करता हूं। मैंने चार दशक से ज्यादा समय तक वकालत की है। मैं जानता हूं कि न्यायपालिका में प्रतिभाशाली लोग हैं। न्यायपालिका का बहुत बड़ा महत्व है। हमारी प्रजातांत्रिक व्यवस्था कितनी मजबूत है, यह न्यायपालिका की स्थिति से परिभाषित होती है।

हिमाचल में कहीं भी कचरा फेंकने वालों के चालान काटे जाएंगे

सभी कॉमर्शियल व्हीकल में डस्टबिन अनिवार्य

शिमला । हिमाचल की सुक्खू सरकार ने पहाड़ों को साफ-सुथरा बनाने के लिए 2 महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। पहले फैसले में राज्य में आने वाले सभी कॉमर्शियल व्हीकल में डस्टबिन अनिवार्य किया गया है। दूसरे नियम में पर्यटन स्थलों और पहाड़ों पर कचरा फेंकने वालों के चालान काटे जाएंगे। ये दोनों नियम 29 अप्रैल से लागू हो गए हैं। अब जिस टैक्सी, टैम्पो ट्रेवलर, प्राइवेट व सरकारी बस और बाहरी राज्यों के कॉमर्शियल वाहनों में डस्टबिन (कूड़ेदान) नहीं होगा, उसके मालिक को 10 हजार रुपए जुर्माना देना होगा। वहीं, जो टूरिस्ट पहाड़ों पर या टूरिस्ट प्लेस को गंदा करेगा, उस पर्यटक पर 1500 रुपए का जुर्माना लगेगा। यह पेनल्टी लोकल लोगों पर भी लागू होगी। बता दें कि हिमाचल के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर देश और विदेश से हर साल डेढ़ से 2 करोड़ टूरिस्ट पहुंचते हैं। इसमें ज्यादातर टूरिस्ट टैक्सी, वॉल्वो बसों और टैम्पो ट्रेवलर से आते हैं। हिमाचल सरकार के फैसले का इन टूरिस्टों पर सीधा असर होगा। सुक्खू सरकार के आदेश पर हिमाचल पथ परिवहन निगम और टैक्सी संचालकों ने अपनी गाड़ियों में डस्टबिन लगाना शुरु कर दिया हैं। हालांकि, नियम लागू जरूर हुआ है, लेकिन अभी लोगों और ड्राइवरों पर सख्ती शुरू नहीं की गई है। इस बारे में शिमला के आरटीओ अधिकारी ने बताया है कि अभी ट्रांसपोर्टरों के चालान नहीं किए जा रहे हैं, बल्कि लोगों को डस्टबिन लगाने के लिए जागरूक कर रहे है, ताकि जनता को सरकार के इस नए नियम की जानकारी दी जा सके। एक सप्ताह बाद चालान कटने शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि जो वाहन पासिंग के लिए आ रहे हैं, उनकी पासिंग डस्टबिन लगाने के बाद ही होगी है। पर्यावरण विभाग सभी सरकारी विभागों को चालान बुक मुहैया करवा रहा है। इसके लिए अलग से कर्मियों की तैनाती नहीं हो रही। यह कार्रवाई किसी भी विभाग के कर्मचारी की ओर से की जा सकेगी। भविष्य में एक एप के जरिए ऑनलाइन ही इसतरह के चालान किए जाएंगे। हिमाचल पर्यावरण विभाग ने डस्टबिन लगाने और कचरा फैलाने वालों के चालान से जुड़ा नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके पहले हिमाचल सरकार ने 1995 में बने हिमाचल प्रदेश नॉन बायोग्रेडेबल गारबेज कंट्रोल एक्ट में पेनल्टी का प्रावधान किया है। प्रदेश सरकार ने यह नियम अभी कॉमर्शियल वाहनों पर लागू किया है। आने वाले दिनों में निजी वाहनों को भी इसके दायरे में लाया जाएगा। इसके पीछे पर्यटन स्थलों और पहाड़ों पर फैल रही गंदगी को रोकना है। गाड़ियों में लगाए इन कूड़ेदानों को खाली करने लिए बस स्टैंड और दूसरे सार्वजनिक स्थलों पर बड़े-बड़े कूड़ेदान लगाए जाएंगे।

जातीय जनगणना के लिए सोनिया के सामने कान पकड़कर उठक-बैठक लगाते थे लालूः गिरिराज सिंह

राहुल गांधी लंबे समय तक सत्ता में थे जाति गणना क्यों नहीं कराई

पटना ।

मोदी सरकार के जातीय जनगणना कराने के फैसले पर बिहार में बयानबाजी शुरु हो गई है। पटना स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में विधानसभा चुनाव को लेकर हो रही बैठक में भाजपा नेताओं ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राजद सुप्रीमो लालू यादव और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। वहीं डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने तेजस्वी यादव पर तंज कसा है। वहीं बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि पीएम मोदी के इस फैसले से विपक्ष तक खुश है।

लालू के ÷कान पकड़कर जातीय जनगणना करवाएंगे÷ वाले बयान पर गिरिराज ने पलटवार कर कहा कि जिंदगी भर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के सामने कान पकड़कर उठक-बैठक करते रहे, अब जातीय जनगणना की बात कर रहे हैं। यह वहीं लालू यादव हैं जो कभी कांग्रेस के साथ मंडल आयोग को ठंडे बस्ते में डाल चुके हैं। नरेंद्र मोदी ने ही वर्षों से लंबित सामाजिक न्याय की मांग को पूरा किया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी ने ओबीसी को सरकारी संरक्षण दिया। उन्होंने एससी के अधिकारों को कोर्ट में और मजबूत किया और आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों को भी आरक्षण देकर न्याय सुनिश्चित किया। केंद्रीय मंत्री सिंह ने राहुल गांधी पर निशाने साधते हुए कहा कि अपने मुंह मियां मिट्ठू बने हुए हैं। इतिहास गवाह हैं कि कांग्रेस ने हमेशा सामाजिक न्याय का विरोध किया है, चाहे वह नेहरू हों या इंदिरा गांधी या फिर उनके पिता राजीव गांधी। वहीं उपमुख्यमंत्री सिन्हा ने पीएम मोदी के जातीय जनगणना करनेके निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले पीढ़ियों के उत्थान के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने यह निर्णय लिया है। इस निर्णय से विकास की गति बढ़ेगी और परिवारवाद की जमींदारी करने वालों का जमीन खिसक जाएगी। इसतरह के लोग ज्यादा तक दिन राजनीति नहीं कर पाएंगे। तेजस्वी जैसे लोग सिर्फ भौकाल बनाते हैं, इनका करनी-धरनी कुछ नहीं है। राहुल गांधी लंबे समय तक जब सत्ता में थे तब उन्होंने जाती गणना क्यों नहीं कराई। बैठक के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि भारत सरकार ने पहले से तय किया था कि जनसंख्या के साथ ही जाति गणना भी होगी। आने वाले समय में सभी जातियों को उनका अधिकार मिल सके, इसके लिए निर्णय लिया गया है।

वाराणसी जंक्शन पर दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस का इंजन पटरी से उतरा, बड़ा हादसा टला

वाराणसी।

वाराणसी जंक्शन पर गुरुवार को दुर्ग से नौतनवा जा रही दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस का इंजन शंटिंग के दौरान एक तेज आवाज के साथ डिरेल हो गया। हादसा उस समय हुआ जब इंजन को प्लेटफार्म नंबर 2 से लूप लाइन की ओर ट्रैक बदलते हुए ले जाया जा रहा था। इंजन के पहिए ट्रैक से उतर गए, राहत की बात यह रही कि स्पीड कम होने के चलते घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इंजन की गति धीमी थी इस वजह से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। एक तेज आवाज के साथ इंजन पटरी से उतरकर जमीन में धंस गया, जिससे स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। तुरंत ही कंट्रोल रूम ने डाउन लाइन की सभी ट्रेनों को रोक दिया और कॉशन जारी किया गया। रेलवे इंजीनियरों, गैंगमैन और रनिंग स्टाफ की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। जांच में पता चला कि इंजन के बेपटरी होने की वजह ट्रैक पर मौजूद ज्वाइंट क्लंप का टूटना था। जैसे ही इंजन उस हिस्से पर पहुंचा, पहिया नीचे उतर गया।

रॉबर्ट वाड्रा को कटघरे में खड़ा करने वाले आईएएस अधिकारी खेमका हुए रिटायर

34 साल की नौकरी में 57 ट्रांसफर हुए

चंडीगढ़ ।

हरियाणा के मशहूर आईएएस अधिकारी अशोक खेमका ने अपने रिटायरमेंट पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि आज मेरा आईएएस करियर पूरा हुआ। अपने परिवार, सहकर्मियों और सभी शुभचिंतकों का शुक्रिया, जिनके अटूट समर्थन के बिना यह सफर संभव नहीं था। अगर इस सफर के दौरान मेरे कारण किसी को ठेस पहुंची हो, तब मैं माफी चाहता हूं। खेमका के सोशल मीडिया पर करीब चार लाख फॉलोअर्स हैं। रिटायर्ड आईएएस अपने सोशल मीडिया हैंडल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई बड़ी हस्तियों को फॉलो करते हैं। खेमका की 34 साल की नौकरी में 57 ट्रांसफर हुए थे। इस दौरान 8 पोस्ट ऐसी रहीं, जिसमें एक माह का भी कार्यकाल पूरा नहीं कर सके थे। इसी रिपोर्ट कार्ड के साथ ही हरियाणा के सबसे चर्चित आईएएस अधिकारी अशोक खेमका बुधवार को रिटायर हुए। हरियाणा की आईएएस एसोसिएशन ने उन्हें विदाई दी। खेमका हरियाणा परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) के पद पर थे। इस दौरान परिवहन मंत्री अनिल विज भी रिटायरमेंट पार्टी में पहुंचे थे। 1991 बैच के सीनियर आईएएस खेमका पूरे देश में अपने ट्रांसफर को लेकर चर्चा में रहे हैं। मगर, उनका नाम तब सुर्खियों में आया, जब उन्होंने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी और डीएलएफ के बीच 2012 में गुरुग्राम के मानेसर-शिकोहपुर में 3.5 एकड़ जमीन के सौदे के म्यूटेशन को रद्द किया।

देश की कुल 512 महिला सांसदों और विधायकों में से 143 पर क्रिमिनल केस

नायडू सबसे अमीर, ममता सबसे गरीब सीएम

नई दिल्ली ।

चुनाव सुधार पर काम कर रहे एनजीओ एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने महिला सांसद और विधायकों को लेकर रिपोर्ट दी है। इसमें सामने आया है कि देश की कुल 512 महिला सांसदों और विधायकों में से 28 प्रतिशत यानी 143 पर क्रिमिनल केस दर्ज है। इसमें से 78 (15 प्रतिशत) पर हत्या, किडनैपिंग जैसे गंभीर आरोप हैं।

वहीं, 17 महिला नेताओं ने अपने चुनावी हलफनामों में अरबपति (100 करोड़ या उससे अधिक संपत्ति) होने का दावा किया है। इसमें लोकसभा की 6, राज्यसभा की 3 और विधानसभा की 8 महिलाएं हैं। 512 महिला सांसदों-विधायकों की कुल घोषित संपत्ति 10,417 करोड़ रुपए है। औसतन हर एक के पास 20.34 करोड़ रुपए की संपत्ति है।

रिपोर्ट के मुताबिक,71 प्रतिशत महिला नेता ग्रेजुएट या उससे ज्यादा पढ़ी हैं। 24 प्रतिशत ने 5वीं से 12वीं तक की पढ़ाई और 12 महिलाओं ने डिप्लोमा किया है। वहीं, महिला सांसदों-विधायकों में 64 प्रतिशत की उम्र 41 से 60 साल के बीच, 22 प्रतिशत की 25 से 40 साल के बीच और 14 प्रतिशत की 61 से 80 साल के बीच है। जहां इस सूची में भाजपा की 217 महिला सांसद-विधायक में से 23 प्रतिशत पर केस, 11 प्रतिशत पर गंभीर मामले दर्ज है। कांग्रेस की 83 में से 34 प्रतिशत पर आपराधिक केस, 20 प्रतिशत पर गंभीर आरोप के केस दर्ज है। वही टीडीपी की 20 में 65 प्रतिशत महिला विधायकों पर केस, 45 प्रतिशत पर गंभीर मामलों में केस।

वहीं आम आदमी पार्टी की 13 में 69 प्रतिशत पर आपराधिक केस, 31 प्रतिशत पर गंभीर आरोप में केस दर्ज है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश के 45 प्रतिशत विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। एडीआर ने देश के 28 राज्यों और विधानसभा वाले तीन केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 4123 विधायकों में से 4092 के चुनावी हलफनामे का विश्लेषण किया। आंध्र प्रदेश के सबसे ज्यादा 174 में से 138 (79प्रतिशत) विधायकों ने, जबकि सिक्किम में सबसे कम 32 में से सिर्फ एक विधायक (3 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के सबसे ज्यादा 134 विधायकों में से 115 (86 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2024 को जारी रिपोर्ट से साफ होता हैं कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं। उनके पास 931 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति है। वहीं, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी 15 लाख रुपए की संपत्ति के साथ सबसे गरीब हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आदि शंकराचार्य ने हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित किया

(लेखक - ललित गर्ग)

(आदि शंकराचार्य जयन्ती - 2 मई, 2025)

महापुरुषों की कीर्ति युग-युगों तक स्थापित रहती। उनका लोकहितकारी चिंतन, दर्शन एवं कर्तृत्व कालजयी होता है, सार्वभौमिक, सार्वदैशिक एवं सार्वकालिक होता है और युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता हैं। आदि शंकराचार्य हमारे ऐसे ही एक प्रकाशस्तंभ हैं जिन्होंने एक महान हिंदू धर्माचार्य, दार्शनिक, गुरु, योगी, धर्मप्रवर्तक और संन्यासी के रूप में 8वीं शताब्दी में अद्वैत वेदांत दर्शन का प्रचार किया था। हिन्दुओं को संगठित किया। उन्होंने चार मठों की स्थापना की, जो भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं। आदि गुरु शंकराचार्य हिंदू धर्म में एक विशेष स्थान रखते हैं, उनके विराट व्यक्तित्व को किसी उपमा से उपमित करने का अर्थ है उनके व्यक्तित्व को ससीम बनाना। उनके लिये इतना ही कहा जा सकता है कि वे अनिर्वचनीय है। उन्हें हम धर्मक्रांति एवं समाज-क्रांति का सूत्रधार कह सकते हैं। अपने जन्मकाल से ही शिशु शंकराचार्य के मस्तक पर चक्र का चिन्ह, ललाट पर तीसरे नेत्र तथा कंधे पर त्रिशूल जैसी आकृति अंकित थी, इसी कारण आदि शंकराचार्य को भगवान शिव का अवतार भी माना जाता है। भगवान शिव ने उन्हें साक्षात् दर्शन देकर अंध-विश्वास, रूढ़ियों, अज्ञानता एवं पाखण्ड के विरूद्ध जनजागृति का अभियान चलाने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने भयाक्रांत और धर्म विमुख जनता को अपनी आध्यात्मिक शक्ति और संगठन युक्ति से संबल प्रदान किया था। उन्होंने नए ढंग से हिंदू धर्म का प्रचार-प्रसार किया और लोगों को सनातन धर्म का सही एवं वास्तविक अर्थ समझाया।

आदि शंकराचार्य के अनूठे प्रयासों से ही आज हिन्दू धर्म बचा हुआ है एवं सनातन धर्म परचम फहरा रहा है। शंकराचार्य ने अपने 32 वर्ष के अल्प जीवन में ही पूरे भारत की तीन बार पदयात्रा की और अपनी अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति और संगठन कौशल से उस समय के 72 संप्रदायों तथा 80 से अधिक राज्यों में बंटे इस देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में इस प्रकार बांधा कि यह शताब्दियों तक विदेशी आक्रमणकारियों से स्वयं को बचा सका और अखण्ड बना रहा। ऐसे दिव्य एवं अलौकिक संत पुरुष का जन्म धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आठवीं सदी में वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को केरल के कालड़ी गांव में ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम शिवगुरु और माता का नाम आर्यम्बा था। बहुत दिन तक सपत्नीक शिव की आराधना करने के अनंतर शिवगुरु ने पुत्र-रत्न पाया था, अतः उसका नाम शंकर रखा। जब ये तीन ही वर्ष के थे तब इनके पिता का देहांत हो गया। ये बड़े ही मेधावी तथा प्रतिभाशाली थे। छह वर्ष की अवस्था में ही ये प्रकांड पंडित हो गए थे और आठ वर्ष की अवस्था में इन्होंने संन्यास ग्रहण किया था। इनके संन्यास ग्रहण करने के समय की कथा बड़ी विचित्र है। कहते हैं, माता एकमात्र पुत्र को संन्यासी बनने की आज्ञा नहीं दे रही थीं। तब एक दिन नदी किनारे एक मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर पकड़ लिया तब इस वक्त का फायदा उठाते हुए शंकराचार्यजी ने अपने माँ से कहा 'माँ मुझे संन्यास लेने की आज्ञा दो, अन्यथा यह मगरमच्छ मुझे खा जायेगां।' इससे भयभीत होकर माता ने तुरंत इन्हें संन्यासी होने की आज्ञा प्रदान की; और आश्चर्य की बात है कि जैसे ही माता ने आज्ञा दी वैसे ही तुरन्त मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर छोड़ दिया। इन्होंने गोविन्द नाथ से संन्यास ग्रहण किया, जो आगे चलकर आदि गुरु शंकराचार्य कहलाए।

आदि शंकराचार्य ने प्राचीन भारतीय उपनिषदों के सिद्धांत और हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित करने का अनूठा एवं ऐतिहासिक कार्य किया। साथ ही उन्होंने अद्वैत वेदान्त के सिद्धान्त को प्राथमिकता से स्थापित किया। उन्होंने धर्म के नाम पर फैलाई जा रही तरह-तरह की भ्रांतियों को मिटाने का काम किया। सदियों तक पंडितों द्वारा लोगों को शास्त्रों के नाम पर जो गलत शिक्षा दी जा रही थी, उसके स्थान पर सही शिक्षा देने का कार्य आदि शंकराचार्य ने ही किया। आज शंकराचार्य को एक उपाधि के रूप में देखा जाता है, जो समय-समय पर एक योग्य व्यक्ति को सौंपी जाती है। आदि गुरु शंकराचार्य ने हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए चार अगल दिशाओं में चार मठों की स्थापना की। भगवद्गीता, उपनिषदों और वेदांतसूत्रों पर लिखी हुई इनकी टीकाएँ बहुत प्रसिद्ध हैं। इन्होंने अनेक विधर्मियों को भी अपने धर्म में दीक्षित किया था। इन्होंने ब्रह्मसूत्रों की बड़ी ही विशद और रोचक व्याख्या की है।

आदि शंकराचार्य ने हिन्दुओं को संगठित करने के लिए सबसे पहले दक्षिण दिशा में तुंगभद्रा नदी के तट पर श्रृंगेरी मठ की स्थापना की। यहां के देवता आदिवाराह, देवी शारदाम्बा, वेद यजुर्वेद और महावाक्य 'अहं ब्रह्मस्मि' है। सुरेश्वराचार्य को मठ का अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके बाद उन्होंने उत्तर दिशा में अलकनंदा नदी के तट पर बद्रिकाश्रम (बद्रीनाथ) के पास ज्योतिर्मठ की स्थापना की जिसके देवता श्रीमन्नारायण तथा देवी श्रीपूर्णगिरि हैं। यहां के संप्रदाय का नाम आनंदवार, वेद अर्थवेद तथा महावाक्य 'अयमात्मा ब्रह्म' है। मठ का अध्यक्ष तोटकाचार्य को बनाया। पश्चिम में उन्होंने द्वारकापुरी में शारदा मठ की स्थापना की जहां के देवता सिद्धेश्वर, देवी भद्रकाली, वेद, सामवेद और महावाक्य 'तत्वमसि' है। इस मठ का अध्यक्ष हस्तमानवाचार्य को बनाया। उधर पूर्व दिशा में जगन्नाथ मठ, जहां की देवी विशाला, वेद ऋग्वेद और महावाक्य 'प्रज्ञान ब्रह्म' है। यहां उन्होंने हस्तामलकाचार्य को मठ का अध्यक्ष बनाया। इस प्रकार शंकाराचार्य ने अपने सांगठनिक कौशल से संपूर्ण भारत को धर्म एवं संस्कृति के अटूट बंधन में बांधकर विभिन्न मत-मतांतरों के माध्यम से सामंजस्य स्थापित किया।

आठ वर्ष की आयु में चारों वेदों में निष्णात हो गए, बारह वर्ष की आयु में सभी शास्त्रों में पारंगत, सोलह वर्ष की आयु में शांकरभाष्य तथा बत्तीस वर्ष की आयु में शरीर त्याग दिया। ब्रह्मसूत्र के ऊपर शांकरभाष्य की रचना कर विश्व को एक सूत्र में बांधने का प्रयास भी शंकराचार्य के द्वारा किया गया है, जो कि सामान्य मानव से सम्भव नहीं है। शंकराचार्य के दर्शन में सगुण ब्रह्म तथा निर्गुण ब्रह्म दोनों का हम दर्शन कर सकते हैं। निर्गुण ब्रह्म उनका निराकार ईश्वर है तथा सगुण ब्रह्म साकार ईश्वर है। जीव अज्ञान व्यष्टि की उपाधि से युक्त है। तत्वमसि तुम ही ब्रह्म हो; अहं ब्रह्मास्मि मैं ही ब्रह्म हूं; अयामात्मा ब्रह्म यह आत्मा ही ब्रह्म है; इन बृहदारण्यकोपनिषद् तथा छान्दोग्योपनिषद वाक्यों के द्वारा इस जीवात्मा को निराकार ब्रह्म से अभिन्न स्थापित करने का प्रयत्न शंकराचार्यजी ने किया है। ब्रह्म को जगत् के उत्पत्ति, स्थिति तथा प्रलय का निमित्त कारण बताया हैं। ब्रह्म सत् (त्रिकालाबाधित) नित्य, चैतन्यस्वरूप तथा आनंद स्वरूप है। ऐसा उन्होंने स्वीकार किया है।

जिस युग में आदि शंकराचार्य ने जन्म लिया उस समय देशी-विदेशी प्रभावों के दबाव में भारतीय संस्कृति संक्रमण के दौर से गुजर रही थी और उसका पतन आरंभ हो गया था। उन्होंने भयाक्रांत और धर्म विमुख जनता को अपनी आध्यात्मिक शक्ति और संगठन युक्ति से संबल प्रदान किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'आदि शंकर जन्म भूमि क्षेत्रम' में प्रार्थना करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियां संत-दार्शनिक आदि शंकराचार्य द्वारा हमारी संस्कृति की रक्षा में दिए योगदान की ऋणी रहेंगी। उन्होंने भारत के हर कोने में वेद-वेदांत का प्रसार कर सनातन परंपरा को सशक्त एवं सुदृढ़ किया। दिव्य ज्ञान से आलोकित उनका संदेश देशवासियों के लिए सदैव पथ-प्रदर्शक बना रहेगा। पूर्व राष्ट्रपति एवं दार्शनिक डॉ. राधाकृष्णन ने उन्हें प्राचीन परंपरा का भाष्यकार आचार्य बताते हुए लिखा है कि देश के अन्य भाष्यकारों की तरह अपने अध्ययन में उन्होंने कभी भी किसी प्रकार की मौलिकता का दावा नहीं किया। भारत में आदि शंकराचार्य के प्रयास से एक ऐसे आंदोलन का आविर्भाव हुआ जो सनातन वैदिक धर्म को उसकी अस्पष्टताओं और असंगतियों से निकालकर स्पष्ट तथा सर्वसाधारण के लिए स्वीकार्य बनाना चाहता था। उनकी शिक्षा का आधार उपनिषद थे। उनके द्वारा स्थापित मठों की उपासना पद्धतियां सरल है। वेदांत के विरोधियों से शास्त्रार्थ करने के उनके उत्साह के कारण देश के विभिन्न दार्शनिक केंद्रों में जो जड़ता आई थी उनमें एक नए विचार-विमर्श की प्रेरणा आरंभ हुई। शंकर द्वारा स्वीकृत दर्शन तथा संगठन बौद्धों के दर्शन और संगठन से मिलते-जुलते थे। आदि शंकराचार्य ने भारत में बढ़ते विभिन्न मतों पर उन्हीं की पद्धति से अपनी वैचारिक श्रेष्ठता सिद्ध की और सनातन वैदिक धर्म की पुनरुत्थान किया।

आठ वर्ष की आयु में चारों वेदों में निष्णात हो गए, बारह वर्ष की आयु में सभी शास्त्रों में पारंगत, सोलह वर्ष की आयु में शांकरभाष्य तथा बत्तीस वर्ष की आयु में शरीर त्याग दिया। ब्रह्मसूत्र के ऊपर शांकरभाष्य की रचना कर विश्व को एक सूत्र में बांधने का प्रयास भी शंकराचार्य के द्वारा किया गया है, जो कि सामान्य मानव से सम्भव नहीं है। शंकराचार्य के दर्शन में सगुण ब्रह्म तथा निर्गुण ब्रह्म दोनों का हम दर्शन कर सकते हैं। निर्गुण ब्रह्म उनका निराकार ईश्वर है तथा सगुण ब्रह्म साकार ईश्वर है। जीव अज्ञान व्यष्टि की उपाधि से युक्त है।

संपादकीय

न रहेगी फीस की टीस

निस्संदेह, सरस्वती के मंदिरों का व्यापार का केंद्र बनना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। नौकरियों में अंग्रेजी के वर्चस्व के चलते अभिभावक अपना पेट काटकर बच्चों को महंगे पब्लिक स्कूलों में पढ़ाते हैं। लेकिन सीमित आय वर्ग वाले कर्मचारियों व आम लोगों का कष्ट तब बढ़ जाता है जब स्कूल प्रबंधन मनमाने ढंग से हर साल फीस बढ़ाने लगते हैं। दलील दी जाती हैं कि छात्रों को गुणवत्ता की शिक्षा देने और योग्य शिक्षकों के अच्छे वेतन हेतु फीस बढ़ाने की जरूरत होती है। सर्वविदित है कि निजी स्कूलों के शिक्षकों की तनख्वाह सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के मुकाबले काफी कम होती है। दरअसल, केवल स्कूल की फीस ही नहीं बढ़ती बल्कि तमाम अन्य मदों में अभिभावकों की जेब तराशने का सिलसिला सारे साल बदस्तूर चलता रहता है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिये अभिभावक भी फीस की टीस को बर्दाश्त करते हैं। लेकिन जब दिल्ली के स्कूल प्रबंधकों की मनमानी सीमा पार करने लगी तो अभिभावक विरोध में सड़कों पर उतर आये। दिल्ली सरकार भी हरकत में आई और आनन-फानन में फीस नियंत्रण के लिये एक विधेयक लाया गया। सभी के लिये किफायती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का प्रमुख लक्ष्य रहा है। लेकिन इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के मार्ग पर एक बड़ी बाधा निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों का आर्थिक शोषण रहा है। मुख्य रूप से ये स्कूल पूरी तरह लाभ के लिये संचालित किए जाते हैं। दरअसल, इस मामले में जांच व नियमन का मजबूत तंत्र न होने का लाभ निजी स्कूल उठाते रहे हैं। जिसने शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर व्यावसायीकरण को बढ़ावा दिया है। ऐसे में दिल्ली सरकार की कैबिनेट का राष्ट्रीय राजधानी के सभी स्कूलों में फीस के नियमन को एक विधेयक को मंजूरी देना सुखद ही है। जिसके अंतर्गत उचित अनुमोदन के बिना फीस बढ़ाने पर दस लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। निश्चय ही दिल्ली सरकार की इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। इससे उन अभिभावकों को राहत मिलेगी जो हर साल फीस बढ़ाए जाने से त्रस्त रहते हैं। बताया जा रहा है कि जल्दी ही विधानसभा में पेश किए जाने वाले इस विधेयक में स्कूलों के लिये जिला व राज्य स्तर पर समितियों के गठन का प्रस्ताव है। इनके पैनल द्वारा पारदर्शी व समयबद्ध तरीके से स्कूल प्रबंधन द्वारा फीस वृद्धि के प्रस्तावों की जांच की जाएगी। निस्संदेह, इस विधेयक का मकसद असहाय अभिभावकों को स्कूल प्रबंधन के मनमाने फैसलों से बचाना है। दरअसल, देखने में आया है कि स्कूल प्रबंधन से जुड़े अधिकारी मनमाने ढंग से फीस में बढ़ोतरी करते रहते हैं। जो एक जबरन वसूली जैसा ही है, वजह है स्कूल के अधिकारियों के पास तमाम अधिकारों का होना। उल्लेखनीय है कि देश में गुजरात, राजस्थान और तमिलनाडु समेत कई राज्यों ने स्कूलों में फीस की संरचना को विनियमित करने के लिये कानून बनाये हैं। हालांकि, अकसर राज्य सरकारें इस मामले में खुद को अदालती लड़ाई में उलझा पाती हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में, सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान स्कूल फीस विनियमन अधिनियम, 2016 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा है। जिसमें शिक्षा में मुनाफाखोरी रोकने के राज्य के अधिकार की पुष्टि की गई है। निस्संदेह, ऐसी ही स्थितियों में दिल्ली में प्रभावित अभिभावकों के विरोध प्रदर्शनों ने दिल्ली की भाजपा सरकार को एक नियामक विधेयक लाने के लिये बाध्य किया।

श्रीकृष्ण-भक्ति के दिव्य एवं अलौकिक प्रतीक हैं सूरदास

(लेखक- ललित गर्ग) (सूरदास जयन्ती- 2 मई, 2025)

इस संसार में यदि सबसे बड़ा कोई संगीतकार है तो वो हैं श्रीकृष्ण। जिस प्रकार से तत्व, रज और तम-इन तीनों गुणों के समन्वय को प्रकृति कहा गया है, उसी प्रकार से गायन, वादन और भक्ति इन तीनों में जो रमा हो, जो पारंगत हो उसे श्रीकृष्ण-भक्त गया गया है। ऐसे ही दिव्य एवं अलौकिक श्रीकृष्ण भक्ति के एक महान् चितेरे एवं श्रीकृष्ण भक्ति को समर्पित शीर्षस्थ भक्त-कवि व्यक्तित्व हैं सूरदासजी। वे एक दृष्टिहीन संत थे, जिन्होंने पूरी दुनिया को श्रीकृष्ण भक्ति का मार्ग दिखाया। वे बचपन से ही भगवान श्रीकृष्ण के प्रति समर्पित थे और उनकी भक्ति में पूरी तरह से डूब गए। वे एक महान भक्ति कवि एवं हिन्दी साहित्य के सूर्य माने जाते हैं। उनका आदर्श चरित्र और जीवन दर्शन अंधेरे को भी उजाला प्रदान करता है। वे जहां भक्त, वैरागी, त्यागी और संत थे, वहीं वह उत्कृष्टतम काव्य प्रतिभा के धनी एवं गायन में कुशल भी थे। इसलिए उनके अन्तर्मन की पावन भक्तिधारा मन्दाकिनी की भांति कल-कल करके प्रस्फुटित हुई।

सूरदास ने जीवनपर्यंत भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति की और ब्रज भाषा में उनकी लीलाओं का वर्णन किया। कान्हा की भक्ति में उन्होंने कई गीत, दोहे और कविताएं लिखी हैं। प्रभु श्रीकृष्ण का गुणगान करते हुए उन्होंने सूरसागर, सूर-सारवली और साहित्य लहरी जैसी महत्वपूर्ण रचनाएं कीं, जो भक्ति-साहित्य की अनमोल धरोहर है। उनका जन्म एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में संभवतः सन् 1535 की वैशाख शुक्ल पंचमी को हुआ जो इस वर्ष की 2 मई, 2025 है। चार भाइयों में सूरदास सबसे छोटे एवं नेत्रहीन थे। माता-पिता इनकी ओर से उदासीन रहते थे। निर्धनता एवं माता-पिता की उनके प्रति उदासीनता ने उन्हें विरक्त बना दिया। वह घर से निकल कर चार कोस की दूरी पर तालाब के किनारे रहने लगे।

सूरदास, श्रीकृष्ण भक्ति के महान कवियों में से एक हैं, जिनकी भक्ति में प्रेम, माधुर्य और विरह का अनूठा संगम है। सूरदास की भक्ति सगुण भक्ति धारा के पुष्टिमार्ग से जुड़ी है, जहाँ वे श्रीकृष्ण को अपने जीवन का सर्वस्व मानते हैं। उनकी भक्ति में सख्य भाव की प्रधानता है, जहाँ वे श्रीकृष्ण को अपना सखा मानते हैं और उनके साथ प्रेममय संबंध स्थापित करते हैं। सूरदास का व्यक्तित्व भी बहुत विरल है, वे एक अनूठे भक्त थे जो श्रीकृष्ण के प्रति सर्वात्मना समर्पित थे और उनकी भक्ति में पूरी तरह से लीन थे। उन्होंने ऐसे समय में श्रीकृष्ण भक्ति की धारा प्रवाहित की जब समाज में धर्म की हानि हो रही थी, अधर्म पुष्ट हो रहा था, सज्जन कष्ट झेल रहे थे और दुर्जन आनन्द भोग रहे थे। ऐसे समय में सूरदास भला तटस्थ कैसे रहते? इस तरह सूरदास की भक्ति केवल श्रीकृष्ण तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि उन्होंने अपने काव्य में मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को भी चित्रित किया है। मान्यता के अनुसार एक बार सूरदास श्रीकृष्ण की भक्ति में इतने डूब गए थे कि वे एक कुंए में जा गिरे, जिसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने खुद उनकी जान बचाई और आंखों की रोशनी वापस कर दी। जब श्रीकृष्ण भगवान ने उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर वरदान में कुछ मांगने के लिए कहा तो उन्होंने कहा कि 'आप फिर से मुझे अंधा कर दें। मैं श्रीकृष्ण के अलावा अन्य किसी को देखना नहीं चाहता।' वे भले ही अंधे थे, लेकिन उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं को अपने हृदय से देखा और सुना और उनके बारे में सुंदर पद लिखे। संत सूरदास द्वारा रचित काव्य साहित्य का महत्वपूर्ण योगदान भारतीय लोक संस्कृति और परम्परा को उच्च शिखर पर आसीन कराने में हुआ। उन्होंने द्वापर के नायक श्रीकृष्ण की बाल-लीलाओं का समसामयिक लोक-आस्था के अनुरूप चित्रण किया और भगवान को एक लोकनायक के रूप में प्रस्तुत किया। भगवान को लौकिक रूप में प्रस्तुत कर सूरदासजी ने हमारे समाज को एक नई आस्था एवं नई भक्ति की अवधारणा दी है। वास्तव में सूरदासजी का काव्य लालित्य, सौन्दर्य, वात्सल्य, श्रृंगार, शांत रस और प्रेम का काव्य है। कुछ लोगों के अनुसार सम्राट अकबर सूरदास से मिलने आए थे। कहते हैं कि तानसेन ने अकबर के समक्ष सूरदास का एक पद गाया। पद के भाव से मुग्ध होकर सम्राट अकबर मथुरा जाकर सूरदास से मिले। सूरदास ने बादशाह को 'मना रे माधव सौं करु प्रीती गाकर सुनाया।' बादशाह ने प्रसन्न होकर सूरदास को अपना यश वर्णन करने का आग्रह किया। तब निर्लिप्त सूरदास ने 'नाहिन रहनो मन में ठौर' पद गाया। पद के अंतिम चरण 'सूर ऐसे दरस को ए मरत लोचन व्यास' को लेकर बादशाह ने पूछा ''सूरदासजी आप नेत्र ज्योति से वंचित हैं, फिर आपके नेत्र दरस को कैसे प्यासे मरते हैं?'' सूरदासजी ने कहा, ''ये नेत्र भगवान को देखते हैं और उस स्वरूप का रसपान प्रतिक्षण करने पर भी अतृप्त बने रहते हैं।'' अकबर ने सूरदास से द्रव्य-भेंट स्वीकार करने का अनुरोध किया पर निडरतापूर्वक भेंट अस्वीकार करते हुए सूरदासजी ने कहा आज पीछे हमको कबहूं फेरि मत बुलाइयो और मोको कबहूं लिलियो मती। सूरदासजी संगीत-शास्त्र के परम ज्ञाता, काव्य नेपुण्य एवं गान-विद्या विशारद विषय में प्रतिभा सम्पन्न थे। सूरदास आशु कवि थे। उन्होंने काव्य लिखा नहीं बल्कि उनके मुखारविन्द से स्वतः श्रीकृष्ण की लीला गान करते हुए पद झड़ने लगे थे और वे पद रूप सामृत-बिन्दू की तरह एकत्र होकर सागर ही नहीं काव्य रस का महासागर बन गए, जिसे 'सूरसागर' के नाम से जाना जाता है। महाकवि सूरदासजी का जीवन वृत स्वल्प अंश में ही ज्ञात है। उनके लिए महत्व अपनी अस्मिता का नहीं, आराध्य का था। इसलिए उनके जीवन संबंधी साक्ष्य नहीं के बराबर मिलते हैं। कुल मिलाकर 'संसार से विराग और ईश्वर से राग' यही सूरदास की आरंभिक दौर की भक्ति का मूल आधार रहा है, जिसे उन्होंने बड़ी तल्लीनता के साथ व्यक्त किया है। सूरदास ने स्वयं को अपने ईश्वर का तुच्छ सेवक मानते हुए उनके समक्ष दैन्य प्रकट किया है। इस कारण सूरदास की भक्ति 'दास्य भाव' की भक्ति कहलाती है, जिसमें भक्त स्वयं को अपने ईश्वर का दास मानकर उनकी सेवा और भक्ति करता है। एक प्रसंग प्रचलित है कि सूरदास जब गाऊघाट पर रहते थे तो उन्हें वहां एक दिन वल्लभाचार्य के आने का पता चला। सूरदास उचित समय पर वल्लभाचार्य से मिलने गए और उनके आदेश पर अपने रचित दो पद उन्हें गाकर भी सुनाए-'हौं हरि सब पतितन कौ नायक' एवं 'प्रभु! हौं सब पतितन कौ टीकौ।'

(चिंतन-मनन)

आत्मबल के लिए

चिंतन मनन

एक गरीब बुढ़िया थी। अपनी झोपड़ी में अकेली रहती थी। उसके पास एक गाय थी। बस उसी के सहारे वह अपना जीवन निर्वाह करती थी। पर्युषण पर्व चल रहा था। वह अपनी झोपड़ी में बैठी-बैठी रोज देखती थी कि गांव के लोग बहुत ठाट-बाट से पूजा की थाल और प्रसाद आदि लेकर लिए मंदिर जा रहे हैं। उन्हें देख कर बुढ़िया सोचती थी, मैं इतनी ठाट से पूजा नहीं कर सकती, मेरे पास पर्याप्त साधन नहीं है। पूजा की इच्छा दब जाती। एक दिन उसने सोचा, यदि पूजा नहीं कर सकती तो आरती तो कर सकती हूं। बस, यह सोच कर वह उठी, अपनी गाय के दूध से निकाला हुआ घी लिया। पड़ोसी के एक कपास के खेत में से थोड़ी-सी रूई ले आई। एक मिट्टी के दीपक में आरती संजोकर चल दी मंदिर की ओर। अत्यंत श्रद्धा भक्ति से उसने आरती की, जिसके परिणाम स्वरूप आगामी भव में उसे अत्यंत ज्ञानी मुनिराज की पर्याय प्राप्त हुई। न कोई उपवास, न कोई व्रत, केवल पवित्र भावना, श्रद्धा और भक्ति से उसे यह प्राप्त हुआ। किसी शक्तिहीन व्रती प्राणी का उपहास मत कीजिए। संभव है, उसमें शक्ति की अल्पता हो पर भक्ति की प्रबलता हो। कोई छोटा बच्चा पवित्र भावना लेकर व्रत करना चाहता है, तो उसे रोकिए मत, करने दीजिए। उसकी भावनाओं को खंडित मत कीजिए, ठेस मत पहुंचाइए। बल्कि उसे व्रत के वास्तविक उद्देश्य को समझा कर उसके इरादे को और दृढ़ बनाइए। तप के मार्ग को सामान्य मत समझिए।

कुछ लोग कहते हैं, तप में क्या रखा है? बेकार है? व्यर्थ है। ऐसा वे लोग कहते हैं जिनमें पुरुषार्थ का अभाव है। जो स्वयं पालन नहीं कर सके, उन्हें कहना चाहिए हम तो नहीं कर पाते, पर आप कर रहे हैं, यह अच्छी बात है। आपका कल्याण हो। उसके प्रति कम से कम अपनी भावनाएं पवित्र रखनी चाहिए। तप की सबसे बड़ी पूंजी आत्मशक्ति की उत्पत्ति है। इस आत्मशक्ति के माध्यम से हमारे में विरोध में भी जीने का साहस उत्पन्न होता है।

विचार मंथन

जाति जनगणना अर्थात विपक्ष को मुद्दा विहीन करती मोदी सरकार

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

लोकतंत्र में सरकार के काम-काज पर पैनी नजर रखने का काम विपक्ष के पाले में आता है। सरकार की गलतियों और खामियों को उजागर करते हुए जनहितैषी मुद्दों को समय-समय पर उठाते रहने की जिम्मेदारी विपक्ष की होती है। ऐसा करते हुए विपक्ष जनसामान्य में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का काम करता है, ताकि चुनाव के दौरान इसी आधार पर वह वोट मांग सके। जो विपक्ष ऐसा करने में असफल रहता है, उसे जनता नकार देती है और फिर वो राजनीतिक गलियारे के हाशिये में पहुंच जाता है। विपक्ष को फेल साबित करने के लिए सरकारें भी साम, दाम, दंड-भेद का इस्तेमाल करती आई हैं। सियासी शतरंजी चालों से विपक्ष के मुद्दों को हथिया लेना और उन्हें मुद्दाविहन कर असहाय बना देना सरकारों का शगल रहा है। इसलिए ईमानदार विपक्ष को सदा से ही जनहितैषी मुद्दों की दरकार रहती आई है। ताकि वो सरकार को घेर सकें और अपनी मांगे मंगवा सकें। इसी आधार पर कांग्रेस पार्टी और अन्य कुछ विपक्षी दल काफी लंबे समय से देश में जाति जनगणना कराने की मांग उठाते रहे हैं। पिछले कुछ समय से तो कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी प्रत्येक मंच से देश में जाति जनगणना कराए जाने वाले मुद्दे को प्रमुखता से उठाते चले आ रहे हैं। अब चूंकि इसी साल बिहार विधानसभा चुनाव होने हैं, अतः इस प्रभावी मुद्दे को विशेष तौर पर सियासी धार दिए जाने का काम हो रहा था। विपक्ष की इस चाल को मोदी सरकार और भाजपा ने समय रहते भांप लिया और विपक्ष की मांग को एक तरह से मानकर उनके हाथ से इस अहम मुद्दे को भी छीन लिया है। यह अलग बात है कि अब इसका श्रेय लेने की होड़ भी मच गई है। यहां बताते चलें कि केंद्र सरकार ने अप्रत्याशित तौर पर जाति जनगणना कराए जाने का फैसला लिया है। मतलब आम जनगणना जो होगी उसी में इसे जोड़ दिया जाएगा। इस प्रकार मोदी सरकार पहले तो इस मुद्दे से बचती रही, फिर विपक्ष के दबाव और राजनीतिक मजबूरियों के चलते यह निर्णय लिया। बावजूद इसके यह सवाल अनुत्तरित है कि जनगणना कब होगी और इसके आंकड़े सार्वजनिक किए जाएंगे या नहीं? यदि मोदी सरकार जाति जनगणना करा पाती है और इसके आंकड़े भी सार्वजनिक करते हुए जारी करती है तो स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह काम पहली बार होगा। यहां बताते चलें कि इससे पहले ऐतिहासिक तौर पर अंग्रेजी शासनकाल 1931 में जातिगत जनगणना करवाई गई थी। इसे आधार बनाकर बताया गया था कि देश में कुल 4,147 जातियां दर्ज की गईं। इस जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाकर मंडल कमीशन ने 1980 में पिछड़ी जातियों को आरक्षण का लाभ देने की रिपोर्ट पेश की थी। मंडल आयोग की इस रिपोर्ट को 1991 में वीपी सिंह सरकार ने लागू करने का काम किया। इसके बाद साल 2011 में भी जाति जनगणना करवाई गई, लेकिन तब इसके आंकड़े सरकार ने जारी नहीं किए। बहरहाल अब मोदी सरकार ने जातीय जनगणना कराए जाने का फैसला तो ले लिया, लेकिन संघ और भाजपा को यह डर अब भी सताए जा रहा है कि ऐसा करने से उनका बृहद हिंदुत्व का एजेंडा कहीं पीछे न छूट जाए। दरअसल 1931 की रिपोर्ट और मंडल कमीशन के रिसर्च से यह सामने आया था कि देश में पिछड़े वर्ग की आबादी 54 फीसद है। अब यदि जातीय जनगणना होती है तो यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है, ऐसे में राजनीतिक समीकरण बदल भी सकते हैं। इसके बाद हो सकता है कि संघ और भाजपा का हिंदुत्व वाला मुद्दा भी हाशिये पर चला जाए और विपक्ष इसका बेजा लाभ ले आगे निकल जाए। दिलचस्प बात तो यह है कि जातीय जनगणना को लेकर केंद्र सरकार कभी स्पष्टतः खुलकर विरोध में खड़ी थी। सुप्रीम कोर्ट में भी इसके खिलाफ दलीलें दी गईं थीं, लेकिन अब वही मोदी सरकार इसे अपनाने की तैयारी में दिख रही है। इसका कारण साफ है, कि बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष, खासकर आरजेडी और कांग्रेस, जातीय जनगणना को एक प्रमुख मुद्दा बना रहे थे। राहुल गांधी ने तो इसे पिछड़ों की पहचान और हक की लड़ाई का नाम दे दिया था। अब जब केंद्र सरकार ने खुद जातीय जनगणना कराने का संकेत दिया है, तो विपक्ष का यह बड़ा चुनावी हथियार अप्रभावी हो सकता है। यह राजनीतिक चाल न केवल बिहार, बल्कि पूरे देश में सामाजिक समीकरणों को प्रभावित कर सकती है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जो कभी विपक्ष के गठबंधन इंडिया के संयोजक बनने की कोशिश कर रहे थे, अब मोदी के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। इससे यह भी संकेत मिलता है कि बीजेपी नीतीश की नीतियों को अपनाकर बिहार में जातीय आधार पर मतदाताओं को साधने की कोशिश कर रही है। अब देखना यह होगा कि मोदी सरकार बिहार चुनाव से पहले विपक्ष को मुद्दा विहीन करने में सफल हो पाती है या नहीं। खासतौर पर तब जबकि कांग्रेस व अन्य प्रमुख विपक्षी दलों ने देश में संविधान बचाओ आंदोलन जो चला रखा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता के करीब- शीर्ष अमेरिकी ट्रेड वार्ताकार

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका व्यापार समझौता के करीब पहुंच चुका हैं, लेकिन यह अभी तक पूरा नहीं हुआ है। यह बयान शीर्ष अमेरिकी ट्रेड वार्ताकार ने दिया। अमेरिकी मीडिया और पॉलिसी सर्किल में अमेरिका-भारत व्यापार समझौता की चर्चा जोरों पर है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने के बाद किसी देश के साथ होने वाली यूएस की यह पहली ट्रेड डील हो सकती है। फिलहाल, अपने व्यापारिक साझेदार देशों के साथ समझौता करने के लिए ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ पर 90 दिन की रोक लगा दी है। अमेरिकी ट्रेड वार्ताकार जेमिसन ग्रीर से एक न्यूज चैनल को दिए गए इंटरव्यू में पूछा गया कि क्या भारत के साथ समझौता अंतिम चरण के करीब है, तो उन्होंने कहा` कि मैं यह नहीं कहूंगा कि यह अंतिम चरण है लेकिन यह करीब पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा` कि भारत के ट्रेड मंत्री के साथ मेरी बातचीत चल रही है। मैंने अपनी टीम एक सप्ताह के लिए भारत भेजी थी। वे पिछले सप्ताह यहां आए थे और मैंने उनके मुख्य वार्ताकार से मुलाकात की भी थी।

डिविडेंड की घोषणा कर सकती हैं तीन कंपनियां

लिस्ट में अदाणी की कंपनी भी शामिल

नई दिल्ली। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया और स्पोर्टकिंग इंडिया गुरुवार को मार्च तिमाही नतीजों के साथ डिविडेंड की घोषणा कर सकती है। अदाणी ग्रुप की इन कंपनियों में डिविडेंड पर होने वाली बैठक के दौरान 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और पूरे वित्त वर्ष के लिए ऑडिटेड रिजल्ट्स की समीक्षा होगी। इसके अलावा, इक्विटी शेयरों पर डिविडेंड की सिफारिश पर भी विचार किया जाएगा।स्पोर्टकिंग इंडिया लिमिटेड और होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया भी अपनी बैठकों में डिविडेंड की सिफारिश पर मंजूरी देने की संभावना है7साथ ही, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया ने अपनी कारोबारी आवश्यकताओं पर ध्यान देते हुए नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर्स (एनसीडी) जारी कर फंड जुटाने की संभावना भी जताई है।इन संकेतों के साथ ही, बाजार में बड़ी उलझन और संवेदना भी दिखाई दे रही है, जो इन कंपनियों के प्रमुख निर्णयों पर भी प्रभाव डाल सकती है।

मल्टी एसेट म्युचुअल फंड्स को मार्च 2025 में मिला ज्यादा निवेश

डेट फंड्स से 1.10 लाख करोड़ रुपए की भारी निकासी

नई दिल्ली।

मार्च 2025 में एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने दर्ज किया है कि हाइब्रिड कैटेगरी में इस महीने सबसे ज्यादा निवेश किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार, मल्टी एसेट फंड्स में पिछले महीने हुए कुल नेट इन्वेस्टमेंट का लगभग 74 फीसी हिस्सा हाइब्रिड कैटेगरी में गया है। इसके साथ ही बैलेंस्ड एडवांटेज और एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में भी अच्छा इनफ्लो देखने को मिला है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेशकों की रुचि अब डेट फंड्स की तुलना में इक्विटी या मल्टी एसेट फंड्स में ज्यादा है। मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी की व्हेयर द मनी फ्लोज़ रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान म्युचुअल फंड इंडस्ट्री में कुल मिलाकर लगभग 25,000 करोड़ का नेट निवेश हुआ है। पैसिव फंड्स में सबसे ज्यादा निवेश किया गया है, जबकि एक्टिव फंड्स से निकासी हुई है। डेट फंड्स से इस दौरान भी भारी निकासी हुई है। इस दौरान, म्युचुअल फंड इंडस्ट्री ने 73 नई स्कीमें लॉन्च कीं और इनमें कुल 13,067 करोड़ जुटाए गए हैं। कंपनी ने कहा` कि मार्च 2025 में म्युचुअल फंड इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट बढ़कर 65.74 लाख करोड़ पर पहुंच गया है। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि घरेलू बचत अब धीरे-धीरे फाइनेंशियल एसेट्स की ओर शिफ्ट हो रही है और निवेशकों का विश्वास म्युचुअल फंड प्रोडक्ट्स में बढ़ रहा है।

टेस्ला कर रही नए सीईओ की तलाश, कंपनी के शेयरों में आई गिरावट

सैन फ्रांसिस्को।

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने वाली कंपनी टेस्ला ने नए सीईओ की खोज शुरू कर दी है। इससे टेस्ला के शेयर में हड़कंप मच गया और बुधवार को यह शेयर करीबन 4 फीसदी गिर गया। टेस्ला के शेयर की कीमत 3.38 फीसदी गिरकर 282.16 डॉलर पर बंद हुई। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के बोर्ड ने सीईओ एलन मस्क के संभावित उत्तराधिकारी की तलाश शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सेक्टर की दिग्गज अमेरिकी कंपनी टेस्ला ने सीईओ एलन मस्क के उत्तराधिकारी की तलाश के लिए महीनों पहले कई एग्जिक्यूटिव सर्च कंपनियों से संपर्क किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि बोर्ड यह कदम किस उद्देश्य से उठा रहा है, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है।

ट्रंप प्रशासन के साथ मस्क की भागीदारी के कारण ऐसा संभव है। रिपोर्टों के मुताबिक ईवी कंपनी की बिक्री और मुनाफे में गिरावट देखी गई है, जबकि अमेरिका की सरकारी एजेंसी डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी में मस्क की भूमिका को लेकर निवेशकों की चिंताएं बढ़ गई हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि टेस्ला बोर्ड के सदस्य ने मस्क से मुलाकात की और उनसे कंपनी को अधिक समय देने के लिए आग्रह भी किया। मस्क ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह ट्रंप प्रशासन को दिए जाने वाले समय में कटौती करेंगे और अपनी कई कंपनियों को चलाने पर ध्यान देंगे।

संघीय रोजगार को कम करने के लिए बनाई गई संस्था सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के रूप में उनकी भूमिका ने निवेशकों की आलोचना की है। बता दें सरकारी दक्षता विभाग दूसरे ट्रम्प प्रशासन द्वारा संघीय खर्च में कटौती करने की पहल है।

वनप्लस ने लॉन्च किए वनप्लस13टी

नई दिल्ली।

वनप्लस ने हाल ही में अपने नए स्मार्टफोन वनप्लस 13टी को लॉन्च किया है और इसके बाद कंपनी के चाइना प्रेसिडेंट ली जी ने एक इंटरव्यू में बताया कि वनप्लस जल्द ही मई में एसीई ब्रैंड के नए डिवाइसेज पेश करने वाला है। इन डिवाइसेज में वनप्लस एसीई 5एस/वनप्लस एसीई 5 सुप्रीम एडीशन और रासिंग एडीशन शामिल हो सकते हैं। टिपस्टर डिजिटल चैट स्टेशन के मुताबिक, एस 5 रेसिंग एडिशन स्मार्टफोन में डाइमेंसिटी 9400द्व चिपसेट होगा, जो डाइमेंसिटी 9300+ का अपग्रेड वर्जन होगा और परफॉर्मेंस में स्नैपड्रैगन 8 जेन 3 से भी बेहतर हो सकता है। लीक रिपोर्ट्स के अनुसार, एस 5 रेसिंग एडिशन में 6.77 इंच का ओएलईडी एलटेप्स फ्लैट डिस्प्ले, 50 मेगापिक्सल का ड्यूल रियर कैमरा सेटअप और 16 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा हो सकता है। यह स्मार्टफोन 7000एमएएच बैटरी और 80 वॉट की फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आ सकता है, जो इसे यूजर्स के लिए एक बेहतरीन गेमिंग और उपयोगकर्ता अनुभव प्रदान करेगा। वनप्लस एस 5 सुप्रीम एडिशन की बात करें तो यह डाइमेंसिटी 9400+ चिपसेट के साथ आ सकता है, जो मीडियाटेक का अब तक का सबसे पावरफुल चिपसेट होगा। इस डिवाइस में भी गेमिंग-फोकस्ड प्रदर्शन मिलेगा और फोटोग्राफी एक्सपीरियंस फ्लैगशिप लेवल का हो सकता है। कुल मिलाकर, वनप्लस की नई एस 5 सीरीज को लेकर गेमिंग के शौकिनों के लिए बेहतरीन खबरें हैं।

एनआरएआई और ओएनडीसी ने अटकलों पर लगाया विराम, मजबूत साझेदारी की पुष्टि

नई दिल्ली।

नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) और ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) ने गुरुवार को उन मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि रेस्टोरेंट बॉडी ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के साथ अपनी साझेदारी को खत्म कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स ने परिचालन अस्थिरता और ओएनडीसी की रणनीतिक प्रतिबद्धता की कमी का हवाला देते हुए दावा किया था कि एनआरएआई ने ओएनडीसी पर सदस्यों को शामिल करने की अपनी योजना को रोक दिया है। दोनों संगठनों ने बयान में कहा, हम संयुक्त रूप से स्पष्ट करते हैं कि ये दावे गलत और भ्रामक हैं। बयान में आगे कहा गया कि हमारी साझेदारी दूरदर्शी रहते हुए सक्रिय बनी हुई है। बयान में कहा गया है कि दोनों संगठन एक इंक्लूसिव फेमवर्क को विकसित करने के लिए अधिक रणनीतिक रूप से काम कर रहे हैं। दोनों संगठनों का यह प्रयास देश भर में फूड बिजनेस के विकास और डिजिटल सशक्तीकरण का समर्थन करेगा। एनआरएआई के अध्यक्ष सागर दरयानी ने कहा, हमने कुछ भी नहीं रोका है। ओएनडीसी के साथ हमारा जुड़ाव जारी है और उद्देश्यपूर्ण बना हुआ है। हम वर्तमान में एक स्केलेबल मॉडल बनाने की प्रक्रिया में हैं और ओएनडीसी की फूड काउंसिल के माध्यम से चर्चा कर रहे हैं, जिसमें रेस्टोरेंट और नेटवर्क प्रतिभागियों और एनआरएआई जैसे सभी हितधारकों की भागीदारी शामिल है। उन्होंने कहा कि रेस्टोरेंट बॉडी को ओएनडीसी के ओपन और अंतर-संचालन नेटवर्क की परिवर्तनकारी शक्ति में विश्वास है। एनआरएआई ने जनवरी में अपने

मेंबर रेस्टोरेंट्स को सरकारी समर्थन प्राप्त ओएनडीसी प्लेटफॉर्म पर ऑनबोर्ड करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास किया था। इस साझेदारी का उद्देश्य रेस्टोरेंट को न्यायसंगत और पारदर्शी शर्तों पर डिजिटल कॉमर्स में भाग लेने में सक्षम बनाना था।

ओएनडीसी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष मरीची माथुर ने कहा, एनआरएआई के साथ हमारा जुड़ाव जारी है और साथ मिलकर हम एक समावेशी, पारदर्शी और अंतर-संचालन नेटवर्क बनाने के लिए काम कर रहे हैं, जो लाखों रेस्टोरेंट्स और फूड ब्रांड्स को अपनी शर्तों पर डिजिटल कॉमर्स में भाग लेने के लिए सशक्त बनाता है।

माथुर ने कहा, यह साझेदारी सभी आकार के फूड बिजनेस के लिए एक्सेस, विजिबिलिटी और समान विकास को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। हम ऐसे इनोवेटिव रास्ते तलाश रहे हैं, जो उद्योग के हितधारकों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए लाभदायक हों।

डिविडेंड की घोषणा कर सकती हैं तीन कंप नियां

लिस्ट में अदाणी की कंपनी भी शामिल

नई दिल्ली।

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया और स्पोर्टकिंग इंडिया गुरुवार को मार्च तिमाही नतीजों के साथ डिविडेंड की घोषणा कर सकती है। अदाणी ग्रुप की इन कंपनियों में डिविडेंड पर होने वाली बैठक के दौरान 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और पूरे वित्त वर्ष के लिए ऑडिटेड रिजल्ट्स की समीक्षा होगी। इसके अलावा, इक्विटी शेयरों पर डिविडेंड की सिफारिश पर भी विचार किया जाएगा।स्पोर्टकिंग इंडिया लिमिटेड और होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया भी अपनी बैठकों में डिविडेंड की सिफारिश पर मंजूरी देने की संभावना है7साथ ही, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया ने अपनी कारोबारी आवश्यकताओं पर ध्यान देते हुए नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर्स (एनसीडी) जारी कर फंड जुटाने की संभावना भी जताई है।इन संकेतों के साथ ही, बाजार में बड़ी उलझन और संवेदना भी दिखाई दे रही है, जो इन कंपनियों के प्रमुख निर्णयों पर भी प्रभाव डाल सकती है।

बॉलीवुड स्टार्स और क्रिकेटर्स ने प्री-आईपीओ में किया निवेश

आमिर खान, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और करण जौहर ने भी निवेश करने का फैसला लिया

मुंबई।

करमतारा इंजीनियरिंग, रिन्यूबल एनर्जी और ट्रांसमिशन सेक्टर्स के प्रॉडक्ट्स बनाने वाली कंपनी ने प्री-आईपीओ राउंड में धमाकेदार निवेश किया है। इस इंजीनियरिंग कंपनी द्वारा जारी किए गए समाचार के मुताबिक, बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर ने 5 करोड़ रुपये का निवेश करके 1,61,300 शेयर खरीदे हैं। आमिर खान, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और करण जौहर भी इस आईपीओ में शामिल होकर निवेश करने का फैसला लिया है। साथ ही कंपनी के प्रमोटर्स तनवीर सिंह और राजीव सिंह ने 310 रुपये प्रति शेयर के दाम पर 34,09,724 इक्विटी शेयर ट्रांसफर किए हैं। इस मामूली तिथिक पेपर से कंपनी को 106 करोड़ रुपये की वैल्यू मिली है। करमतारा इंजीनियरिंग ने जनवरी में बाजार नियामक सेबी के पास प्रीलिमनेरी पेपर्स जमा करके आईपीओ के जरिए 1750 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी मांगी है। इस आईपीओ में 1350 करोड़ रुपये के शेयरों का फ्रेश इश्यू और 400 करोड़ रुपये के ऑफर फॉर सेल होगा। वित्त वर्ष 2024 में कंपनी को 102.65 करोड़ रुपये का बाद टैक्स मुनाफा

हुआ था। आईपीओ के ड्राफ्ट पेपर्स में कंपनी ने बताया है कि वह विंड एनर्जी सेक्टर में उतर रही है और एक मूलांकन प्लांट लगा रही है।

अमेरिका की इकॉनमी में पहली तिमाही में गिरावट

इकानॉमी में गिरावट से मंदी की आहट

नई दिल्ली।

अमेरिका की इकॉनमी में पहली तिमाही में 0.3 फीसदी की गिरावट आने से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। यह तीन सालों में पहली बार है जब अमेरिका की आर्थिक स्थिति में ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को इसकी प्रमुख वजह मानी जा रही है। कॉमर्स डिपार्टमेंट के ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक एनालिसिस के अनुसार पिछली तिमाही में जीडीपी में 0.3 फीसदी की सालाना गिरावट आई थी। मार्च में माल के व्यापार घाटे के चलते भारी आयात होने से अर्थशास्त्रियों ने अपने जीडीपी के अनुमान घटा दिए हैं। अमेरिकी आयात में पहली तिमाही में तेजी आई है, जो ट्रंप के टैरिफ से बचने के लिए अमेरिकी कंपनियों ने की गई। चौथी तिमाही में अर्थव्यवस्था 2.4 फीसदी की दर से बढ़ी थी, लेकिन पहली तिमाही में 0.3 फीसदी की गिरावट से बाजार में सतर्कता बढ़ी है। ट्रंप के फिसलने वाले अर्थनीतिक कदमों और चीन के साथ चरमपंथी ट्रेड वॉर के मद्देनजर अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अमेरिका में महंगाई बढ़ने और मंदी आने की आशंका है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में इस ठीक करने का प्रयास किया है, लेकिन भावुकता बाजार की स्थिति में गहराई बढ़ गई है।

मल्टी एसेट म्युचुअल फंड्स को मार्च 2025 में मिला ज्यादा निवेश

डेट फंड्स से 1.10 लाख करोड़ रुपए की भारी निकासी

नई दिल्ली।

मार्च 2025 में एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने दर्ज किया है कि हाइब्रिड कैटेगरी में इस महीने सबसे ज्यादा निवेश किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार, मल्टी एसेट फंड्स में पिछले महीने हुए कुल नेट इन्वेस्टमेंट का लगभग 74 फीसी हिस्सा हाइब्रिड कैटेगरी में गया है।

इसके साथ ही बैलेंस्ड एडवांटेज और एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में भी अच्छा इनफ्लो देखने को मिला है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेशकों की रुचि अब डेट फंड्स की तुलना में इक्विटी या मल्टी एसेट फंड्स में ज्यादा है। मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी की व्हेयर द मनी फ्लोज़ रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान म्युचुअल फंड इंडस्ट्री में कुल मिलाकर लगभग 25,000 करोड़ का नेट निवेश हुआ है। पैसिव फंड्स में सबसे ज्यादा निवेश किया गया है, जबकि एक्टिव फंड्स से निकासी हुई है। डेट फंड्स से इस दौरान भी भारी निकासी हुई है।

इस दौरान, म्युचुअल फंड इंडस्ट्री ने 73 नई स्कीमें लॉन्च कीं और इनमें कुल 13,067 करोड़ जुटाए गए हैं। कंपनी ने कहा` कि मार्च 2025 में म्युचुअल फंड इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट बढ़कर 65.74 लाख करोड़ पर पहुंच गया है।

कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि घरेलू बचत अब धीरे-धीरे फाइनेंशियल एसेट्स की ओर शिफ्ट हो रही है और निवेशकों का विश्वास म्युचुअल फंड प्रोडक्ट्स में बढ़ रहा है।

ओप्पो रेना 14 सीरिज को लांच करने की तैयारी

मुंबई।

ओप्पो अपनी नई स्मार्टफोन सीरीज, ओप्पो रेना 14 सीरिज को लांच करने की तैयारी की है। हालांकि कंपनी ने अभी तक लांच डेट की पुष्टि नहीं की है, लेकिन अपकमिंग सीरीज के बेस मॉडल ओप्पो रेनो 14 के पहले फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। फोटोज के अनुसार, ओप्पो रेनो 14 में ब्रैंड-न्यू कैनन-स्टाइल कैमरा सेटअप दिया जाएगा, जिसे कोल्ड-कार्विंग टेक्नोलॉजी से तैयार किया है। यह डिज़ाइन लार्ज आर-ऐंगल और एल्युमिनियम अलॉय साइड फ्रेम के साथ होगा, जिससे फोन का लुक आईफोन जैसा प्रतीत होता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रेनो 14 का टेक्सचर और फिनिश इतना रिफाइंड है कि यह एक झटके में आईफोन जैसा दिखाई देता है। हालांकि, फोन के फ्रंट लुक की जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन संभावना है कि फोन को फ्लैट डिस्प्ले के साथ लांच किया जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फोन में 6.59 इंच का ओलेड एलटीपीएस डिस्प्ले होगा, जो 1.5के रेज़ॉलूशन और 120 एचजेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा। प्रोसेसर के तौर पर इस फोन में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8350 चिपसेट दिया जाएगा। फोटोग्राफी के लिए रियर में एलईडी फ्लैश के साथ तीन कैमरे होंगे, जिसमें 50 मेगापिक्सल का मेन कैमरा, 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड ऐंगल कैमरा और 50 मेगापिक्सल का टेलिफोटो लेंस शामिल होगा।

ओप्पो रेनो 14 में 50 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा होगा और इस 6000 एमएएच की बैटरी से पावर मिलेगा, जो 80 वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगा।

ट्रंप ऑटो टैरिफ वॉर कहीं तोड़ ना दें भारतीय ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री की कमर

नई दिल्ली।

भारतीय ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री को अमेरिका के नए टैरिफ नियमों से बड़ा झटका लग सकता है, इससे न केवल कंपनियों का मुनाफा प्रभावित होगा, बल्कि रोजगार, निवेश और 'मेक इन इंडिया' अभियान पर भी असर पड़ सकता है। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए के अनुसार, अमेरिका द्वारा इंजन, पावरट्रेन और इलेक्ट्रिकल कंपोनेंट्स जैसे प्रमुख उत्पादों पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने से भारतीय निर्यातकों के ऑपरेटिंग प्रॉफिट में 10 से 15 फीसदी की गिरावट हो सकती है। वहीं, पूरी इंडस्ट्री के कुल मुनाफे पर 3 से 6 फीसदी तक का असर होगा। इससे वित्त वर्ष 2026 में ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री की रेवेन्यू ग्रोथ घटकर 6-8 फीसदी रह सकती है, जबकि पहले इसका अनुमान 8-10 फीसदी था। भले ही भारत का घरेलू बाजार इस इंडस्ट्री की रीढ़ हो, लेकिन अमेरिका ऑटो पार्ट्स के लिए एक बड़ा निर्यात बाजार है। वर्ष 2024 में 46 प्रमुख निर्यातकों का कुल राजस्व 3 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा था, इसमें अमेरिकी हिस्सेदारी 8 फीसदी रही। बीते पांच वर्षों में अमेरिका को निर्यात औसतन 15 फीसदी सालाना की दर से बढ़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार नए टैरिफ से पूरी सप्लाई चेन पर 9,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा। कंपनियां लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालने की कोशिश करेंगी, लेकिन उनकी सौदेबाजी की क्षमता और बाजार में प्रतिस्पर्धा तय करेगी कि यह कितना संभव हो पाएगा। यदि भारतीय कंपनियों को 30 से 50 प्रतिशत लागत खुद वहन करनी पड़ी, तब उनका मुनाफा 1.5 से 2.5 फीसदी तक कम हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मिशिगन दौरे के दौरान कुछ राहत देने संबंधी आदेशों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे अमेरिकी कार निर्माताओं को अस्थायी छूट मिलेगी। इसके बावजूद इंडस्ट्री और वैश्विक साझेदारों में व्यापार नीति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। चीन पर भी इसतरह के टैरिफ लागू किए गए हैं, जिससे भारतीय कंपनियों को प्रतिस्पर्धात्मक फायदा मिल सकता है। वहीं, कुछ कंपनियों को अमेरिकी खरीदारों से नए ऑर्डर के बारे में पूछताछ मिल रही है, जिससे हल्की राहत की उम्मीद बनी है। हालांकि, 3 मई 2025 से लागू होने वाले इन टैरिफ का असर भारत के 65 फीसदी ऑटो कंपोनेंट निर्यात पर पड़ेगा। इससे पहले अमेरिका ने मार्च 2025 में स्टील और एल्युमिनियम पर भी शुल्क बढ़ाया था, जिसके जवाब में भारत ने अमेरिकी गाड़ियों पर 26 फीसदी शुल्क लगाने की घोषणा की थी, जिसे 90 दिनों के लिए टाल दिया गया है।

टाटा मोटर्स हैचबैक अल्ट्रोज के फेसलिफ्ट वर्जन उतारने को तैयार

मुंबई।

टाटा मोटर्स अपनी प्रीमियम हैचबैक अल्ट्रोज का फेसलिफ्ट वर्जन 21 मई 2025 को लांच होगी है। यह बदलाव अल्ट्रोज के लिए अब तक का सबसे बड़ा अपडेट है, इस पहली बार जनवरी 2020 में लांच किया गया था। टेस्टिंग के दौरान सामने आई तस्वीरों से पता चलता है कि नई अल्ट्रोज में फ्रंट बंपर को और अधिक शार्प डिज़ाइन के साथ आएगी। इसमें ड्यूल-पॉड एलईडी हेडलैम्प्स, नए एलईडी फॉग लैंप्स और सेगमेंट में पहली बार फ्लश-टाइप डोर हैंडल्स देखने को मिल सकते है। पीछे की ओर नई एलईडी टेललाइट्स और री-डिज़ाइन किया गया बंपर कार को और अधिक शानदार लुक देते हैं। इंटीरियर में भी बड़ा बदलाव हुआ है, इसमें 10.25 इंच का नया टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम मिलेगा, जो नेक्सान की तरह वायरलेस कनेक्टिविटी और आईआरए टेक्नोलॉजी से लैस होगा। इसके अलावा, इल्युमिनेटेड स्टीयरिंग व्हील और नया अपहोल्स्ट्री डिज़ाइन दिखेगा। सुरक्षा के हिसाब से फेसलिफ्टेड अल्ट्रोज़ में छह एयरबैग्स, 360 डिग्री कैमरा और आईएसओएफआईएक्स चाइल्ड सीट एंकर जैसे फीचर्स स्टैंडर्ड रहने वाले है। साथ ही, इसमें एडीएएस जैसे लेन डिपार्चर वार्निंग जैसे फीचर्स भी मिल सकते हैं।

इंजन मौजूदा पेट्रोल, टर्बो पेट्रोल, डीज़ल और सीएनजी वेरिएंट बरकरार रहेगा। अल्ट्रोज़ की 5-स्टार एनसीएपी सेफ्टी रेटिंग सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार बनाए रखेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्रेयस पर 12 लाख रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली।

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएएसके) के खिलाफ मैच में जीत के बाद भी झटका लगा है। श्रेयस पर इस मैच में धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगा है। इस मैच में श्रेयस पर जुर्माना इसलिए नहीं लगा क्योंकि पंजाब की टीम तय समय में 20 ओवर पूरे नहीं कर पायी। पंजाब टीम की ये इस सत्र में पहली गलती है इस कारण से केवल कप्तान पर ही जुर्माना लगाया गया है। अब अगर आगे के मैचों में पंजाब किंग्स इस गलती को फिर करती है तो पूरी टीम को इसका दंड भुगतना होगा। आईपीएल प्रबंधन के एक बयान के अनुसार, ÷पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस पर सीएसके चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है।इसमें आगे लिखा है, यह आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का सत्र का पहला अपराध है, इसलिए अय्यर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना ही लगा है।÷ इस सत्र में पंजाब का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है और सीएसके पर जीत के साथ ही वह अंक तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है।

आईपीएल में आज गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद में होगी टक्कर

अहमदाबाद।

आईपीएल में शुक्रवार को गुजरात टाइटंस अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। गुजरात का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर जीत के साथ ही पिछले मैच में मिली हार से उबरकर प्लेऑफ की अपनी दावेदारी मजबूत करना रहेगा। पिछले मैच में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी के कारण उसे राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। गुजरात की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में अब तक काफी अच्छा रहा है, ऐसे में अब वह सनराइजर्स के खिलाफ मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। दूसरी ओर सनराइजर्स हैदराबाद की टीम इस सत्र में बल्लेबाजी और गेंदबाजी हर क्षेत्र में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी है। ऐसे में उसे इस मैच में जीत के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सनराइजर्स सनराइजर्स की राह इसलिए भी कठिन नजर आती है क्योंकि उसकी ताकत बल्लेबाजी है जिसमें ही वह अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है। वहीं गुजरात ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है। उसके पास शुभमन गिर और साई सुदर्शन जैसे बल्लेबाज हैं। सुदर्शन ने इस सत्र में अब तक सबसे अधिक रन बनाये हैं। गुजरात टीम नौ मैचों में छह जीत के साथ 12 अंक लेकर चौथे स्थान पर है। उसे बाकी पांच मैचों में से सिर्फ दो जीतने होंगे जिससे की प्लेआफ में पहुंचने के लिए उसे 16 अंक मिल जायें। गुजरात के सुदर्शन ने अब तक पांच अर्धशतक समेत 456 रन बनाये हैं। वहीं शुभमन ने 389 और जोस बटलर ने 406 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में गुजरात के पास प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और ईशांत शर्मा जैसे तेज गेंदबाज हैं। कृष्णा ने इस स्त्र में अब तक सबसे अधिक विकेट लिए हैं और उनका सामना करना सनराइजर्स के लिए आसान नहीं रहेगा। उसके पास स्पिनर के तौर पर राशिद खान और वॉशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाज हैं जबकि सनराइजर्स अब तक नौ में से सिर्फ तीन मैच जीतकर तालिका में नौवे स्थान पर है। एक और हार से वह प्लेआफ से बाहर होगी। सनराइजर्स के लिए अभिषेक शर्मा

और ट्रेविस हेड ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है पर इनमें निरंतरता की कमी रही है। शीर्षक्रम के विफल होने से मध्यक्रम पर दबाव बना है जिससे हेनरिक क्लासेन, नीतिश कुमार रेड्डी और ईशान किशन रन नहीं बना पा रहे। पिछले दो मैचों में अभिषेक दो अंक तक भी नहीं पहुंच सके जबकि हेड ने 8 पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक लगाया है। गेंदबाजी की बात करें तो कप्तान पैट कमिंस और मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज भी विफल रहे हैं। अब तक केवल पे हर्षल पटेल ने ही प्रभावित किया है। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में गुजरात का पलड़ा भारी नजर आता है।

मुंबई इंडियंस के स्पिनर पुथुर बाहर हुए, रघु शामिल

नई दिल्ली।

मुंबई इंडियंस स्पिनर विग्नेश पुथुर चोटिल होने के कारण आईपीएल के बचे हुए सत्र से बाहर हो गये हैं। पुथुर का बाहर होना मुम्बई के लिए करारा झटका है क्योंकि उन्होंने इस सत्र में शानदार गेंदबाजी की है। पुथुर ने इस सत्र में कुछ मैच ही खेले पर उन मैचों में उनका प्रभावी प्रदर्शन रहा। मुंबई इंडियंस ने इस स्पिनर की जगह पर विकल्प के तौर पर रघु शर्मा को शामिल किया है। मुंबई इंडियंस ने कहा है कि पंजाब के लेग स्पिनर रघु को 30 लाख रुपये के आधार मूल्य पर पुथुर की जगह शामिल किया गया है। पुथुर दोनों पिंडलियों में हड्डी के स्ट्रैस फैक्चर के कारण इस सत्र से बाहर हुए हैं। वहीं रघु शर्मा जो अब तक सहयोगी गेंदबाजों में शामिल थे उन्हें अब मुख्य टीम में शामिल किया गया है। रघु ने पंजाब और पांडिचेरी की ओर से 11 प्रथम श्रेणी, 9 लिस्ट ए और 3 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने अपने प्रथम श्रेणी करियर में अब तक पांच

5 विकेट और तीन 10 विकेट लिए हैं। रघु ने साल 2024-25 विजय हजारे ट्रॉफी में पंजाब की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया था, इसमें उन्होंने 9 मैचों में 14 विकेट लिए थे। वहीं विग्नेश ने मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल के इस सत्र में कुल 5 मैचों में 6 विकेट लिए है। उन्होंने पहले ही मैच में तीन विकेट लिए थे। अब वह मुंबई इंडियंस मेडिकल और एसएंडसी टीम के साथ अपनी रिकवरी और रिहैब पर ध्यान देंगे।

चहल आईपीएल में दो हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बने

नई दिल्ली।

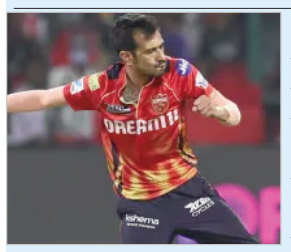

पंजाब किंग्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल आईपीएल में दो हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बन गये हैं। चहल ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में हैट्रिक लगायी। इससे पहले उन्होंने 2022 आईपीएल में भी हैट्रिक लगायी थी। उनकी दूसरी हैट्रिक इसलिए भी अहम है क्योंकि सीएसके के खिलाफ आईपीएल में पहली बार कोई गेंदबाज हैट्रिक लगा पाया है। चहल ने ये हैट्रिक 19वें ओवर में लगायी। चहल ने ओवर की दूसरी गेंद पर कप्तानी महेन्द्र सिंह धोनी का विकेट लिया। तीसरी गेंद पर दीपक हुड्डा ने दो रन लिए पर चौथी गेंद पर चहल ने उन्हें आउट कर दिया। उसके बाद चहल ने बाकि की दो गेंदों पर अंशुल कंबोज और नूर अहमद को आउट कर हैट्रिक बनायी। युजवेंद्र चहल की यह आईपीएल में दूसरी हैटट्रिक थी। इससे पहले उन्होंने साल 2022 में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हैटट्रिक लगायी थी। तब उन्होंने श्रेयस अय्यर, शिवम मावी और पैट कमिंस को आउट किया था। अब चहल आईपीएल में सबसे ज्यादा बार हैटट्रिक लेने के मामले में पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। दोनों के नाम आईपीएल में 2-2 हैटट्रिक हैं। इनसे ज्यादा सिर्फ अमित मिश्रा ने ही हैट्रिक लिए हैं। मिश्रा ने आईपीएल में यह कारनामा 3 बार किया है।

सीएसके बनी आईपीएल के 18 वें सत्र से बाहर होने वाली पहली टीम

चेन्नई।

चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की टीम आईपीएल के 18 वें सत्र से बाहर होने वाली पहली टीम बन गयी है। पंजाब किंग्स के खिलाफ घरेलू मैदान में हार के साथ ही उसका प्लेऑफ का सफल समाप्त हो गया है। सीएके के लिए ये सत्र अच्छा नहीं रहा और उसे केवल दो मैचों में ही जीत मिली। वहीं अपने ही घरेलू मैदान पर लगातार पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा हालांकि सीएसके ने सत्र की शुरुआत जीत के साथ की थी। उसे अपनी ही धरती पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आरसीबी, दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद के बाद पंजाब किंग्स ने भी हराया है। आईपीएल इतिहास में सीएसके लगातार दूसरी बार प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही है। .रितुराज गायकवाड़ के चोटिल होकर बाहर होने के बाद महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए उसे पंजाब किंग्स के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी चाहिये थी पर वह इसमें सफल नहीं रही। अब उसे लीग स्तर पर केवल चार मैच और खेलने हैं। उसमें भी वह अगर सभी जीत ले तो भी उसके अधिक से अधिक 12 अंक ही रहेंगे। जिस उसके पास आगे जाने का कोई रास्ता नहीं है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में युजवेंद्र चहल की हैट्रिक के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने अर्धशतक

लगाते हुए 72 रन बनाये। वहीं प्रभसिमरन सिंह ने भी 54 रनों की पारी खेली जिससे पंजाब को जीत हासिल करने में परेशानी नहीं आई। इस जीत के साथ ही पंजाब किंग्स एक बार फिर अंक तालिका में छलांग लगाकर दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। पंजाब किंग्स के अब छह जीत से 13 अंक हो गये हैं।

वहीं आरसीबी के 14 अंक हैं और वह दूसरे नंबर पर है। वहीं सीएसके की टीम लगातार पांचवीं हार के के साथ ही सत्र से बाहर हो गयी है। 10 मैच में दो जीत से उसके केवल चार अंक ही हैं।

संक्षिप्त समाचार

चहल की हैट्रिक से उत्साहित नजर आयी महवश

चेन्नई। पंजाब किंग्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल का आईपीएल के इस सत्र में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। चहल ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ शानदार गेंदबाज करते हुए हैट्रिक ली थी। चहल के इस शानदार प्रदर्शन से आरजे महवश भी बेहद उत्साहित नजर आयीं। पिछले कुछ समय से महवश चहल के सभी मैच में स्टेडियम में नजर आती रही हैं जिससे दोनो के बीच अफेयर की चर्चाएं जोर पकड़ती जा रही हैं। महवश ने सोशल मीडिया पर भी चहल के प्रति प्यार जताया उसके प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा की है। चहल ने सीएसके के खिलाफ 19वें ओवर में हैट्रिक सहित चार विकेट लिए थे। जिसमें कप्तानी कर रहे महेन्द्र सिंह धोनी का विकेट भी शामिल था। चहल ने इस मैच में 3 ओवर में 32 रन देकर 4 विकेट लिए थे। इसी कारण सीएसके की टीम 190 रन ही बना पायी। महवश ने इस स्टोरी के साथ एक 'ओह शेरा उठ जरा फिर वही जलवा दिखा अपना, बड़ी बेताब है दुनिया तेरी परवाज़ देखने को, ज़माना रुक गया तेरा वही अंदाज़ देखने को।' गाना भी लगाया है। इस मैच में सीएसके ने पंजाब किंग्स को जीत के लिए 191 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे उसने तय ओवरों में आसिल कर लिया।

आईपीएल से बाहर होने के बाद निराश नजर आये धोनी

चेन्नई। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार के साथ ही आईपीएल के 18 वें सत्र से बाहर हो गयी है। सीएसके को इस सत्र में केवल दो मुकाबलों में ही जीत मिली है। प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने से निराश टीम के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने कहा कि पंजाब के खिलाफ टीम ने कम रन बनाये जिससे ये मैच हमारे हाथ से निकल गया। इस मैच में हमें थोड़ा और प्रयास करना चाहिए था। मैच में सैम करन और डेवाल्ट ब्रेविस के बीच अच्छी साझेदारी हुई। मेरा मानना है कि हम कैच पकड़ने में असफल रहे। करन एक अच्छा खिलाड़ी है। यह एक धीमा विकेट था, लेकिन आज का विकेट इस सत्र में हमारे घरेलू मैदान पर सबसे अच्छा था। ब्रेविस भी बल्लेबाजी के साथ ही क्षेत्ररक्षण भी अच्छा करता है। वह मैदान में भी अपनी आक्रामक अंदाज से जुनू और ऊर्जा का संचार करता है। वह अगले सत्र में हमारे लिए बेहतर प्रदर्शन कर सकता है।' धोनी ने इससे पहले कहा था कि अगर इस सत्र में उनकी टीम बाहर होती है तो अगले सत्र के लिए प्रतिभागों की खोज की जाएगी और माना जा रहा है कि डेवाल्ट भी उन्हीं में से एक हैं।

खेल मंत्री मंडाविया ने सात्विक और चिराग को खेल रत्न पुरस्कार दिया

नई दिल्ली।

केन्द्रीय खेल मंत्री हनसुख मंडाविया ने शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विक साइराज रांकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार दिया। ये दोनों ही पिछले साल निजी कारणों से यह सम्मान लेने राष्ट्रपति भवन में नहीं पहुंच पाये थे। सात्विक अपने पिता आर कासी विश्वनाथम के निधन होने के कारण कार्यक्रम में नहीं जा पाये थे। वहीं चिराग भी व्यस्त थे। मंडाविया ने सोशल मीडिया पर पर दोनों के साथ अपनी तस्वीर साझा कर लिखा है, हमारे बैडमिंटन सितारों चिराग शेट्टी और सात्विक साइराज रांकीरेड्डी को आज दिल्ली में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार प्रदान किया। साथ ही लिखा यह पुरस्कार कोर्ट पर उनके शानदार प्रदर्शन और प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं। गौरतलब है कि सात्विक और चिराग ने 2022 एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों और 2023 एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीते थे। ये जोड़ी बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर रही है।

साई किशोर को शामिल करना चाहती थी सनराइजर्स : विटोरी

नई दिल्ली।

सनराइजर्स हैदराबाद के कोच डेनियल विटोरी ने गुजरात टाइटंस के स्पिनर आर साई किशोरकी जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि हम उन्हें नीलामी में लेना चाहते थे पर सफल नहीं हुए थे। विटोरी ने कहा कि किशोर बेहद योग्य हैं और उनमें सीमित ओवरों के क्रिकेट में सफल गेंदबाज बनने की पूरी क्षमताएं हैं। इस सत्र में इस गेंदबाज ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।

किशोर ने इस सत्र में गुजरात की ओर से बेहतर प्रदर्शन किया है और वह सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में वह पांचवें नंबर पर हैं। उन्होंने अभी तक 8 मैचों में 12 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 30 रन देकर तीन विकेट लेना रहा है।

विटोरी से जब पूछा गया कि वह बाएं हाथ के किस स्पिनर से प्रभावित हैं तो उन्होंने कहा कि मैं किशोर का नाम लूंगा। उसने शानदार प्रदर्शन किया है। साथ ही कहा कि वह एक ऐसा खिलाड़ी था जिस पर नीलामी में हमारी नजर थी हालांकि हम उसे शामिल नहीं कर पाय थे।

वह एक निडर गेंदबाज है। उसके पास गेंद को टर्न करने विकेट के ऊपर और आसपास

अपनी गति बदलने की क्षमताएं हैं। मुझे लगता है कि वह अन्य स्पिनरों के लिए मानदंड स्थापिक करता है कि आप वास्तव में कैसे प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं और सफल हो सकते हैं। उसने बल्लेबाजी के सहायक विकेटों पर भी अपनी गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया है।

सीएसके पर जीत से उत्साहित श्रेयस बोले, लक्ष्य का पीछा करना है पसंद

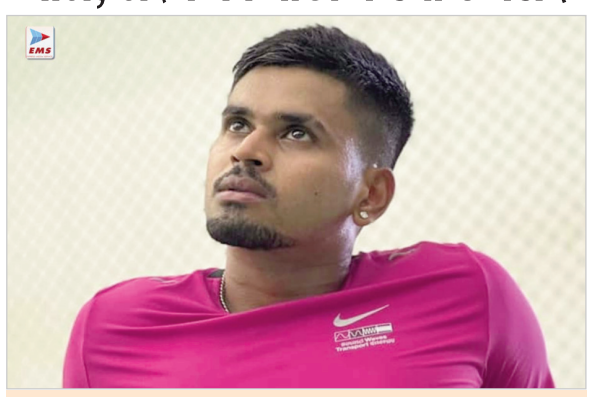

चेन्नई।

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली जीत पर खुशी जतायी है। इस जीत के साथ ही पंजाब की टीम 13 अंक लेकर आईपीएल अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। उसे अब पलेऑफ में जगह बनाने दो और मुकाबले जीतने होंगे। जीत से उत्साहित अय्यर ने कहा कि मुझे किसी भी मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना अच्छा लगता है। साथ ही कहा कि मुझे अपने पर भरोसा है और लगता है कि किसी भी लक्ष्य का पीछा कर सकता हूं। श्रेयस ने कहा कि मैदान पर क्षेत्ररक्षण बहुत कठिन था, लांग ऑन से वाइड लांग ऑन तक भागना आसान नहीं था। आपको क्षेत्ररक्षण में काफी प्रयास करना होता है। हमने मैच से पहले ही तय किया था कि कैसे भी हालात हों जमें रहना होगा। हमें पता था कि कई गेंदबाज आएंगे पर हमारे पास पॉवरहिटर्स तैयार थे। आज जब मैं मैदान पर उतरा, तो मुझे कुछ गेंदें खेलनी थीं और देखना था कि विकेट कैसा खेल रहा है। मैंने 10 गेंदें खेलीं और तय किया कि अब गेंदबाजों को चुनौती देने का सही समय है। हमारे सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरत सिंह और प्रियांस आर्य ने जबरदस्त शुरुआत की जिसका लाभ हमें मिला है।

आईपीएल में ऑरेंज कैप के लिए सुदर्शन, कोहली और सूर्या में करीबी टक्कर

नई दिल्ली।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सत्र में सबसे अधिक रनों लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप के लिए कांटे की टक्कर है। अभी तक इस दौड़ में गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन शीर्ष पर हैं। वहीं में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु(आरसीबी) के विराट कोहली दूसरे नंबर पर है। मुम्बई इंडियंस के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। सुदर्शन ने इस सत्र में 9 मैच की 9 पारियों में 456 रन बनाए हैं। इस बल्लेबाज ने पांच अर्धशतक लगाये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर बने हुए विराट ने 10 मैच की 10 पारियों में 443 रन बनाए हैं। विराट ने अब तक 6 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं सूर्या ने अब तक 10 पारियों में सूर्यकुमार यादव ने 427 रन बनाए। इस बल्लेबाज ने तीन अर्धशतक लगाये हैं।

अब कीनिया में भी शुरु होगी टी20 क्रिकेट लीग

नैरोबी।

अफ्रीकी देश कीनिया अब अपने क्रिकेट ढ़ांचे को बेहतर बनाने के लिए एक टी20 क्रिकेट लीग शुरु करने जा रही है। ये लीग सितंबर में शुरु होगी। लीग का पहला सत्र 25 दिन का होगा जिसमें छह फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी। इसमें दुनिया भर के कम से कम पांच अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल किया जा सकता है। क्रिकेट कीनिया और और कंपनी एओएस स्पोर्ट के बीच इस लीग के आयोजन को लेकर एक समझौता हुआ है। कीनिया के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर कैनेडी ओबुया ने कहा, 'यह बहुत बड़ा आयोजन होगा। यह रोमांचक होगा। यह रोमांचकारी होगा। इससे कीनिया में क्रिकेट को नई दिशा मिलेगी और वह तेजी से आये बढ़ेगा। कीनिया की तरफ से 90 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, 'किसी भी मैच के लिए एक टीम को चार विदेशी खिलाड़ियों को ही अंतिम एकादश में शामिल करने की अनुमति दी जाएगी। वहीं अन्य सभी खिलाड़ी स्थानीय होंगे। कीनिया की टीम का वर्तमान समय में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है पर एक समय वह अपने अच्छे प्रदर्शन के लिए जानी जाती थी। वह साल 2003 में एकदिवसीय विश्व कप के सेमीफाइनल में भी पहुंची थी। अब ओबुया की तरह ही कई अन्य क्रिकेटरों को भी भरोसा है कि इस लीग से कीनियाई क्रिकेट आगे बढ़ेगा। भारत में आईपीएल शुरु होने के बाद से ही दक्षिण अफ्रीका

CRICKET KENYA
CKT20 League

पाकिस्तान सहित कई देशों में क्रिकेट लीग शुरु हुई है।

वैभव के प्रशंसक अब उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का इंतजार कर रहे

नई दिल्ली।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे तेज शतक लगाने वाले पहले भारतीय वैभव सूर्यवंशी के प्रशंसक अब चाहते है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करें। वैभव की उम्र अभी केवल 14 साल है पर वह काफी परिपक्व नजर आते हैं। इस बल्लेबाज ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदो में ही शतक लगाया दिया जिसमें सात चौके और 11 छक्के शामिल थे। वैभव आईपीएल में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। उन्होंने डेब्यू मैच में ही पहली गेंद पर छक्का लगाया था। वह अपने तीसरे मुकाबले में ही शतक लगाने वाले टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र के बल्लेबाज हैं। वैभव ने 14 साल 32 दिन की उम्र में आईपीएल में शतक लगाया था। इससे पहले पाक के हसन रजा ने 14 साल 223 दिन जबकि बांग्लादेश के मोहम्मद शरीफ ने 15 साल 116 दिन व नेपाल के गुलसन झा ने 15 साल 212 दिन के अलावा केन्या के गुरदीप सिंह ने 15 साल 258 दिन व कनाडा के नितीश कुमार ने 15 साल 273 दिन की उम्र में डेब्यू किया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे कम उम्र में डेब्यू करने का रिकॉर्ड पाक के हसन रजा के नाम पर दर्ज है। केवल 14 साल और 223 दिन में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने एकदिवसीय डेब्यू किया था जबकि बांग्लादेश के मोहम्मद शरीफ ने 15 साल 116 दिन की उम्र में अपनी देश की तरफ से पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। वहीं नेपाल के गुलसन झा ने 15 साल 212 दिन में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इम्यूनिटी बढ़ाने और तनाव खत्म करने में मदद करता है लाफ्टर थेरेपी, जानिए इसके फायदे

अंग्रेजी की एक कहावत लाफ्टर इज द बेस्ट मेडिसन के बारे में तो आप सभी ने सुना होगा। लेकिन वर्तमान समय में लोग शायद इस कहावत को जैसे भूल चुके हैं। आजकल की बिजी लाइफस्टाइल की वजह से लोगों के पास खुलकर हंसने का भी समय नहीं है। लेकिन अगर आप दिनभर में सिर्फ एक बार खुलकर हंसते हैं, तो इससे आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। बता दें कि खुलकर हंसने को लाफ्टर थेरेपी या हास्य योग भी कहा जाता है।

लाफ्टर थेरेपी में सिर्फ खुलकर हंसा जाता है। यह योग एक प्राकृतिक तरीका है मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को ठीक रखने का। हालांकि बहुत सारे लोगों को इसके लाभ के बारे में नहीं पता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हास्य योग के फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं। जिससे कि आप भी अपनी डेली रूटीन का हिस्सा बना लेना चाहिए और खुद को फिट रख सकते हैं।

तनाव से मिलेगी मुक्ति

अगर आप दिन में लाफ्टर क्लब में अपने दोस्तों, करीबियों और परिवार के साथ कुछ समय बिताते हैं और खुलकर हंसते हैं। तो इससे तनाव से राहत मिलती है। क्योंकि जब आप खुलकर हंसते हैं, तो शरीर में एंडोर्फिन नामक हार्मोन रिलीज होता है। जोकि आपके मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने के साथ ही तनाव को भी कम करता है।

दिल होगा मजबूत

जब आप खुलकर हंसते हैं तो इससे आपका दिल मजबूत होता है। क्योंकि हंसने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। इसलिए दिन में किसी ऐसे इंसान से जरूर बात करें, जिनसे बात करके आपको अच्छा महसूस होता है।

पाचन तंत्र में होगा सुधार

खुलकर हंसने से पेट की मांसपेशियों पर सीधा असर होता है। अगर आप दिन में एक अच्छे से हसेंगे तो इससे पाचन तंत्र भी मजबूत होगा। वहीं पेट संबंधी समस्याओं का खतरा भी कम होता है। साथ ही यह कैलोरी बर्न करने में भी सहायता करता है।

इम्यूनिटी होगी मजबूत

बता दें कि हंसने की वजह से आपकी इम्यूनिटी बढ़ती है। ऐसे में आप बिता बात के लाफ्टर क्लब में हंसे या फिर अपने दोस्तों के साथ ठहाके लगाएं। इससे आपकी इम्यूनिटी पर अच्छा असर पड़ता है। क्योंकि हंसने से शरीर में ऑक्सीजन का संचार होता है और इम्यूनिटी भी मजबूत होती है।

हाई कोलेस्ट्रॉल

को कंट्रोल करने में लाभकारी हो सकता है ये उपाय, दवाओं की नहीं पड़ेगी जरूरत

बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल के लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। जिन लोगों का खानपान और लाइफस्टाइल ठीक नहीं होता है, उन लोगों में हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या अधिक देखने को मिलती है। हालांकि हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए करने के लिए 80/20 उपाय एक लाइफस्टाइल के तौर पर अपनाया जा सकता है। 80/20 के उपाय में 80त्न समय सक्रिय रहने और व्यायाम करने पर जोर दिया जाता है, तो वहीं 20त्न का समय आराम के लिए होता है। वहीं डाइट और व्यायाम आदि के जरिए हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल किया जा सकता है। ऐसे में अगर आपका भी कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के लिए हम आपको हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल में रखने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

80/20 उपाय के लिए डाइट

फाइबर से भरपूर डाइट

फल, सब्जियां, दालें, साबुत अनाज और बीन्स में पर्याप्त मात्रा में घुलनशील फाइबर पाया जाता है, जोकि कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायता करता है।

स्वस्थ वसा

वहीं एवोकाडो, नट्स, ऑलिव ऑयल और अलसी के बीज में वसा पाई जाती है, जो हृदय की सेहत के लिए अच्छा होता है। वहीं यह हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद कर सकते हैं।

संतृप्त और ट्रांस वसा

डेयरी उत्पाद, लाल मांस और संसाधित खाद्य पदार्थों में संतृप्त वसा होती है। इसलिए हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए संतृप्त और ट्रांस वसा का कम से कम सेवन करना चाहिए।

व्यायाम

नियमित रूप से दौड़ना, चलना, साइकिल चलाना और तैरना जैसे कार्डियो व्यायाम करना चाहिए। यह कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद करता है।

इसके अलावा रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम जरूर करना चाहिए। या फिर डॉक्टर द्वारा बताए गए व्यायाम करें।

अगर आप ऑफिस में काम करते हैं, तो थोड़ी-थोड़ी देर पर टहलते रहें या फिर अन्य तरीके से सक्रिय रहें।

वहीं वजन कम करने से भी एलडीएल कोलेस्ट्रॉल कम हो सकता है।

धूम्रपान

कोलेस्ट्रॉल की समस्या होने पर धूम्रपान का सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि यह कोलेस्ट्रॉल के लेवल को बढ़ा सकता है और साथ ही धूम्रपान करने से हृदय रोग का खतरा भी बढ़ता है।

वहीं लहसुन और प्याज में कोलेस्ट्रॉल को कम करने वाले गुण पाए जाते हैं।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर अर्जुन की छाल को पानी में उबालकर पीने से यह समस्या काफी हद तक कम की जा सकती है।

कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए अधिक पानी पीना चाहिए।

जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट

अगर कोलेस्ट्रॉल का लेवल अधिक है, तो डॉक्टर से फौरन संपर्क करना चाहिए। अगर आपको हाई कोलेस्ट्रॉल के लिए दवा की जरूरत है तो आपको डॉक्टर से परामर्श के बाद ही दवा का सेवन करना चाहिए। 80/20 का उपाय अपनाकर कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल किया जा सकता है। साथ ही यह हृदय रोग के खतरे को भी कम करता है।

सेब खाने के कितने देर बाद पानी पीना चाहिए?

हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर सेब खाने की सलाह देते हैं। सेब का सेवन कर आप न केवल अपने इम्यून सिस्टम को बूस्ट कर सकते हैं बल्कि अपनी ओवरऑल हेल्थ को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सेब को सही तरीके से कंज्यूम करना बेहद जरूरी है। क्या आप जानते हैं कि सेब खाने के तुरंत बाद पानी पीने से आपकी सेहत पर नेगेटिव असर भी पड़ सकता है?

सेब कंज्यूम करने का तरीका

आप एक दिन में एक से दो सेब खा सकते हैं। सुबह-सुबह खाली पेट सेब का सेवन करने से बचना चाहिए। शाम के समय भी सेब खाने से सेहत पर पॉजिटिव की जगह नेगेटिव असर पड़ सकता है। सेब को नाश्ते के बाद कंज्यूम किया जा सकता है। सेब खाने के कम से कम आधे से एक घंटे बाद ही पानी पीना चाहिए। सेब का सेवन करने के तुरंत

बाद पानी पीना सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

गौर करने वाली बात

आइए जानते हैं कि आपको सेब खाने के तुरंत बाद किन-किन चीजों को कंज्यूम करने से बचना चाहिए। सेब खाने के बाद मूली या फिर अचार जैसी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। इसके अलावा इस फल को खाने के बाद चाय पीने से भी बचना चाहिए। सेब खाने के तुरंत बाद दूध पीना गट हेल्थ के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। सेब खाते समय आपको इन छोटी-छोटी बातों को अपने दिमाग में जरूर रखना चाहिए।

सेहत के लिए वरदान

दादी-नानी के जमाने से सेब को सेहत के लिए वरदान माना जाता रहा है। सेब आपकी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर मोटापे को दूर करने में भी कारगर साबित हो सकता है। सेब बोन हेल्थ से लेकर हार्ट हेल्थ तक, आपकी सेहत को चौतरफा फायदे पहुंचाने में मददगार साबित हो सकता है।

बढ़ती उम्र में जवां दिखने के लिए महिलाएं रोजाना करें ये एक्सरसाइज, सेहत को भी मिलेंगे फायदे

हर महिला के लिए 30-40 साल की उम्र का समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। क्योंकि इस दौरान महिलाओं के शरीर में कई तरह के हार्मोनल बदलाव होते हैं। जो महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्थिति को प्रभावित करते हैं। इन हार्मोनल बदलाव की वजह से 30 से 40 साल की उम्र की महिलाओं को मेटाबॉलिज्म भी धीमा हो जाता है। जिसकी वजह से महिलाओं को पाचन संबंधी समस्या और वजन आदि बढ़ने लगता है। वहीं 30 से 40 साल की उम्र में हेल्दी और फिट रहने के लिए महिलाओं को एक्सरसाइज जरूर करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि इस उम्र में महिलाओं को कौन सी एक्सरसाइज करना चाहिए।

कार्डियो एक्सरसाइज

रोजाना 30 से 40 साल की उम्र वाली महिलाओं को कार्डियो एक्सरसाइज करना चाहिए। क्योंकि इससे आपकी दिल की सेहत में सुधार होता है और वेट कंट्रोल होता है। इसलिए रोजाना 30 मिनट जॉगिंग, वॉकिंग, स्विमिंग या साइकिलिंग जैसी एक्सरसाइज करना चाहिए। कार्डियो करने से उम्र के साथ हार्मोन असंतुलन भी ठीक होता है।

पिलाटेज

रोजाना 20 से 25 मिनट तक पिलाटेज एक्सरसाइज करने से महिलाओं की कोर स्ट्रेंथ मजबूत होती है और बैलेंस को मेंनटेन करने में सहायता मिलती है। वहीं 30 उम्र के बाद कमर, पीठ और शरीर के दर्द से राहत मिलती है।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने से महिलाओं की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इसलिए रोजाना पुशअप्स, स्क्वाट्स और वेट लिफ्टिंग जैसी एक्सरसाइज करना महिलाओं के लिए फायदेमंद होता है।

हाई-इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग

वहीं 30 साल की उम्र के बाद मेटाबॉलिज्म को स्ट्रांग बनाने और वेट लॉस में हाई-इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग लाभकारी होती है। यह एक्सरसाइज करने से शरीर की एक्स्ट्रा कैलोरी कम करने और फिट रहने में सहायता मिलती है।

ब्रीदिंग और बैलेंसिंग एक्सरसाइज

बता दें कि सांस संबंधित एक्सरसाइज जैसे डीप ब्रीदिंग और प्राणायाम करने से मानसिक तनाव कम होता है। वहीं रोजाना ब्रीदिंग करने से शरीर को पर्याप्त रूप से ऑक्सीजन मिलता है, जिससे शरीर का विषाक्त पदार्थ बाहर निकालने में सहायता मिलती है। वहीं बैलेंस एक्सरसाइज करने से सही तरीके से चलने और उठने-बैठने में आसानी होती है।

1 महीने सुबह अनार का जूस पीने के 10 फायदे, सेहत से लेकर सुंदरता तक के लिए रामबाण उपाय

अनार को पोषक तत्वों का पावर हाउस कहा जाता है। लाल-सुर्ख स्वाद में मीठा अनार कई तरह के औषधीय गुणों से भरपूर होता है। इसमें आयरन, पोटेशियम, फाइबर, विटामिन सी, विटामिन के, विटामिन बी, जिंक और ओमेगा-6 फैटी एसिड जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। रोजाना अगर सुबह एक गिलास अनार का ताजा जूस पिया जाए तो सेहत में कई तरह के चमत्कारिक बदलाव नजर आ सकते हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में।

त्वचा पर लाए चमक

अनार विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। इसका सेवन करने से कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा मिलता है। इससे त्वचा पर प्राकृतिक चमक आती है।

वेटलॉस में करे मदद

सुबह खाली पेट एक अनार का जूस पीने से वजन को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि अनार कम कैलोरी वाला फल होता है।

स्ट्रेस करे कम

आज के समय में हर कोई किसी न किसी वजह से तनाव में रहता है। ऐसे में अनार के जूस का सेवन करने से मानसिक तनाव कम होता है।

खून की कमी करे दूर

महिलाओं में अक्सर खून की कमी देखी जाती है। ऐसे में उन्हें रोजाना अनार का जूस पीना चाहिए। यह आयरन का अच्छा सोर्स माना जाता है, जो खून की कमी को दूर करने में मदद कर सकता है।

इम्यूनिटी को करे बूस्ट

अनार के जूस में विटामिन सी, ई और के जैसे पोषक तत्व होते हैं। इसके साथ ही अनार का जूस प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। इसे पीने से आपकी इम्यूनिटी बूस्ट होती है।

सूजन घटाने में करे मदद

कई लोग शरीर के अलग-अलग हिस्से पर कई वजहों से सूजन आने से परेशान रहते हैं। ऐसे में अनार का जूस सूजन से लड़ने में मदद करता है।

याददाश्त बनाए बेहतर

इसे नियमित रूप से पीने से मस्तिष्क को ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाकर याददाश्त और सीखने की क्षमता बढ़ सकती है।

दिल को रखे स्वस्थ्य

अनार का जूस रोजाना पीने से रक्तचाप कम होता है। कोलेस्ट्रॉल का स्तर बेहतर रहता है। इसके सेवन से आपका दिल स्वस्थ रहता है।

पाचन में करे मदद

अनार का रस पाचन को उत्तेजित करता है। इसके साथ ही आंत को आराम देता है। खासकर सुबह के समय इसे पीने से शरीर को कई तरह के लाभ मिलते हैं।

नेचुरल एनर्जी करे बूस्ट

रोजाना अनार का जूस पीने से नेचुरल एनर्जी बूस्ट होती है। इसमें प्राकृतिक शर्करा और पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वेव्स ऐसा ग्लोबल प्लेटफॉर्म है, जो आप जैसे आर्टिस्ट, हर क्रिएटर का, मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों को संबोधित किया

मुंबई।

मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ल्ड ऑडियो-विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) को संबोधित कर कहा, आज मुंबई में 100 से अधिक देशों के आर्टिस्ट, निवेश और पॉलिसी मेकर्स एक साथ एक ही छत के नीचे एकत्र हुए हैं। एक तरह से आज ग्लोबल टैलेंट और ग्लोबल क्रिएटिविटी के एक ग्लोबल इको-सिस्टम की नींव रखी जा रही है। पीएम मोदी ने कहा कि वेव्स ये सिर्फ एक छोटा सा नाम नहीं है। ये एक लहर है, कल्चर की, क्रिएटिविटी की, यूनिवर्सल जुड़वा की है। यह एक ऐसा ग्लोबल प्लेटफॉर्म है, जो आप जैसे हर आर्टिस्ट, हर क्रिएटर का है। जहां हर कलाकार, हर युवा एक नए आइडिया के साथ क्रिएटिव वर्ल्ड के साथ जुड़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज 1 मई है। आज से 112 साल पहले 3 मई, 1913 को भारत में पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र रिलीज हुई थी, इसके निर्माता दादासाहेब फाल्के थे और कल ही उनकी जन्म-जयंती थी। बीती एक सदी में भारतीय सिनेमा ने भारत को दुनिया के कोने-कोने में ले जाने में सफलता हासिल की है। पीएम मोदी ने कहा कि आज वेव्स में इस मंच पर हमनें भारतीय सिनेमा के अनेक दिग्गजों को डाक टिकट के माध्यम से याद किया है। बीते वर्षों में मैं कभी गेमिंग वर्ल्ड, कभी म्यूजिक की दुनिया के लोगों से, फिल्म मेकर्स से मिला, कभी स्क्रीन पर चमकने वाले चेहरों से मिला। इन चर्चाओं में अक्सर भारत की क्रिएटिविटी, कैपेबिलिटी और ग्लोबल कोलाबरेशन की बातें उठती थीं। पीएम मोदी ने कहा कि आज मेरा ये विश्वास और पक्का हो गया है कि आप सभी का प्रयास आने वाले वर्षों में वेब्स को नई ऊंचाई देगा। ये क्रिएट इन इंडिया, क्रिएट फॉर द वर्ल्ड का सही समय है। आज जब दुनिया स्टोरी-टेलिंग के नए तरीके ढूंढ रही है। तब भारत के पास हजारों वर्षों की अपनी कहानियों का खजाना है। और ये खजाना टाइमलैस है, थॉट प्रो-वॉकिंग और ट्रुली ग्लोबल है। ये भारत में ऑरेंज इकोनॉमी का उदय काल है। कंटेंट, क्रिएटिविटी और कल्चर, ये ऑरेंज इकोनॉमी की तीन धुरी है। भारतीय फिल्मों की पहुंच अब दुनिया के कोने-कोने में पहुंच रही है। आज 100 से अधिक देशों में भारतीय फिल्में रिलीज होती हैं। इसलिए आज बड़ी संख्या में विदेशी दर्शक भारतीय कंटेंट को सब टाइटल्स के साथ देख रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत में ओटीटी में 10 गुना वृद्धि देखी गई है। स्क्रीन का आकार भले ही छोटा हो रहा है, लेकिन इसका दायरा अनंत है। स्क्रीन छोटी होती जा रही है, लेकिन संदेश बड़ा है। आज भारत फिल्म प्रोडक्शन, डिजिटल कंटेंट, गेमिंग, फैशन और म्यूजिक का ग्लोबल हब बन रहा है। एनिमेशन और ग्राफिक इंडस्ट्री के लिए बहुत बड़ा मौका लाइव कंसर्ट से जुड़ी इंडस्ट्री के लिए अनेक संभावनाएं हमारे सामने हैं। आज ग्लोबल एनिमेशन

मार्केट का साइज 430 बिलियन डॉलर से ज्यादा का है, अनुमान लगाया गया हैं कि अगले 10 सालों में ये दोगुना हो सकता है। ये भारत की एनिमेशन और ग्राफिक इंडस्ट्री के लिए बहुत बड़ा मौका है।

1901 के बाद पांचवी बार सबसे ज्यादा गर्म रहा अप्रैल

नई दिल्ली।

मई के महीने में देश के ज्यादातर हिस्सों में तापमान सामान्य से ऊपर रहेगा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के करीब के इलाकों में सामान्य से ज्यादा दिनों तक लू चलने की संभावना है। राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, गांगेय पश्चिम बंगाल और गुजरात, ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तरी कर्नाटक के कुछ हिस्सों में मई में सामान्य से ऊपर लू वाले दिन हो सकते हैं। हालांकि, मई के पहले हफ्ते में उत्तर-पश्चिम भारत, इंडो-गंगा के मैदान और दिल्ली में बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ सकते है। लेकिन, ज्यादातर हिस्सों में महीने के दौरान 2-7 दिन लू चलने की आशंका है। यह सामान्य से 1 से 4 दिन ज्यादा हो सकता है। आईएमडी के प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि मई में लगातार और तेज गरज के साथ छींटे पड़ने और सामान्य से ऊपर बारिश होने की संभावना है। इससे तापमान मई 2024 के स्तर तक नहीं बढ़ पाएगा। देश के ज्यादातर हिस्सों में दिन में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है। महापात्र ने बताया कि देश के ज्यादातर हिस्सों में रात में पारा सामान्य से ऊपर रहेगा। मौसम विभाग ने पूरे देश में मई 2025 में सामान्य से ऊपर बारिश होने का अनुमान जाहिर किया है। सामान्य से ऊपर बारिश होने की संभावना है, सिर्फ उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्व और उत्तर-पूर्व भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर, जहां सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। अप्रैल में तापमान की स्थिति और भी खराब थी। अप्रैल के महीने में देश में सातवां सबसे ज्यादा औसत तापमान (29.1 डिग्री सेल्सियस, जो सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था) दर्ज किया गया। भारत में 1901 में औपचारिक रिकॉर्डिंग शुरू होने के बाद से ऐसा हुआ है। उत्तर-पश्चिम भारत में इस महीने 1901 के बाद से पांचवां सबसे गर्म अप्रैल दर्ज हुआ। राजस्थान और गुजरात में 6-11 दिन लू चली, जबकि पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में 4-6 दिन लू चली, जबकि सामान्य तौर पर 2 से 3 दिन लू चलती है। पूर्वी मध्य भारत, महाराष्ट्र और आसपास के उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत में 1-3 दिन लू चली, जबकि सामान्य तौर पर 2-3 दिन लू चलती है। मौसम विभाग के अनुसार, मई में ज्यादातर जगहों पर तापमान सामान्य से ज्यादा रहेगा। लू के दिन भी ज्यादा हो सकते हैं। लेकिन, अच्छी खबर है कि मई में बारिश भी सामान्य से ज्यादा होने की संभावना है। इससे तापमान में थोड़ी गिरावट आ सकती है।

एनआईए के महानिदेशक पहुंचे पहलगाम, बैसरन घाटी में घटनास्थल का करेंगे दौरा

एनआईए आतंकियों के हमले के तरीके और भागने के रास्तों की कर रही जांच

श्रीनगर।

पहलगाम में बीते 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले की जांच एनआईए कर रही है। इस बीच एनआईए के महानिदेशक सदानंद दाते जम्मू-कश्मीर के पहलगाम पहुंचे हैं। सदानंद उस जगह भी जाएंगे, जहां आतंकियों ने 28 लोगों की गोली मारकर हत्या की थी।

इसके बाद एनआईए की टीम पहलगाम स्थित घटनास्थल पर पहुंची और साक्ष्य जुटाने में जुट गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि एनआईए की टीमें आतंकियों के हमले के तरीके और उनके भागने के रास्तों का पता लगाने के लिए इलाके की जांच कर रही है। बैसरन घाटी में हुए इस हमले को कश्मीर के सबसे खतरनाक आतंकी हमलों में से एक माना जा रहा है।

एनआईए की टीमें उन चश्मदीदों से पूछताछ कर रही है, जिन्होंने इस खौफनाक मंजर को अपनी आंखों से देखा था। एनआईए के आईजी, डीआईजी और एसपी की निगरानी में जांच चल रही है। ये टीमें आतंकियों के प्रवेश और निकास बिंदुओं की जांच कर रही हैं, ताकि यह समझा जा सके कि हमलावर कैसे आए और कहां से भागे।

फोरेंसिक विशेषज्ञों और अन्य जांच एजेंसियों की मदद से घटनास्थल की गहन छानबीन की जा रही है। इसका मकसद इस आतंकी साजिश का पर्दाफाश करना है, जिसने इतनी बड़ी त्रासदी को अंजाम दिया। इस बीच जम्मू-कश्मीर से लौटे एक पर्यटक ने बताया कि वह जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुई आतंकी घटना के संबंध में एनआईए जांच में सहयोग करेंगे। उन्होंने दावा किया था कि उनके पास एक वीडियो है, जिसमें दो आतंकवादी दिखाई दिए थे। इस बारे में उनसे एनआईए ने संपर्क किया है। इससे पहले केंद्र सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल समझौते को निलंबित कर दिया था। इसके अलावा, केंद्र सरकार ने भारत में रह रहे सभी पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने का आदेश जारी कर दिया था।

मणिपुर में जमीन विवाद को लेकर झड़प में 25 लोग घायल, निषेधाज्ञा लागू

इंफाल।

मणिपुर के तामेंगलोंग जिले में नागा समुदाय के दो गांवों में जमीन विवाद को लेकर हुई झड़पों में 12 सुरक्षाकर्मियों समेत कम से कम 25 लोग घायल हुए हैं, जिसके बाद जिले के कुछ इलाकों में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि यह घटना बुधवार शाम को उस समय हुई जब ओल्ड तामेंगलोंग गांव के करीब दो हजार लोग जमीन विवाद पर एक ज्ञापन सौंपने के लिए उपायुक्त और एसपी कार्यालय जा रहे थे। इसी बीच दाइलोंग गांव के लोगों ने इन पर पथराव कर दिया, जिसके कारण झड़प हुई। उन्होंने बताया कि दाइलोंग के समर्थन में पास के दुइगाइलोंग गांव के लोग भी झड़प में शामिल हो गए। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि हिंसा के दौरान लोक निर्माण विभाग के एक बंगले में आग लगा दी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। हिंसा में 12 सुरक्षाकर्मियों समेत कम से कम 25 लोग घायल हुए हैं। झड़पों के बाद जिला मुख्यालय शहर और सीमावर्ती इलाकों दाइलोंग, दुइगाइलोंग और ओल्ड तामेंगलोंग में प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि अगले आदेश तक प्रतिबंध लागू रहेंगे।

इंफाल के एक अधिकारी ने बताया कि नागा समुदाय तामेंगलोंग में रहता है और यह झड़प दो गांवों के बीच सीमा विवाद से उपजी हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना का मई 2023 में मेइती-कुकी जो समुदाय के बीच शुरू हुए जातीय टकराव से कोई संबंध नहीं है।

पीएम मोदी एक फाइटर, वो चुनौती से नहीं डरते ये बार-बार साबित हुआ

-अभिनेता रजनीकांत ने वेव्स समिट के उद्घाटन सत्र में कही यह बात

मुंबई।

सुपरस्टार रजनीकांत ने गुरुवार को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को निर्मम और बर्बरपूर्ण और पीएम मोदी को फाइटर बताया है। उन्होंने विश्वास जताया कि पीएम मोदी जम्मू-कश्मीर में शांति और उसका गौरव लौटाएंगे। रजनीकांत मुंबई में वेव्स समिट के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। बता दें इस वेव्स का भारत के ऑडियो-विजुअल और एंटरटेनमेंट जगत ने मिलकर इसका आयोजन किया है। इस कार्यक्रम में रजनीकांत ने कहा कि पीएम मोदी एक फाइटर हैं। वो किसी भी चुनौती से नहीं डरते हैं। उन्होंने इसे बीते एक दशक में बार-बार साबित किया है।

मैं पूरी तरह से आश्वस्त हूं कि वह कश्मीर मुद्दे को साहस और गरिमा से संभालेंगे और वहां शांति बहाल करेंगे।

रजनीकांत ने कहा कि कुछ लोगों ने उन्हें कहा था कि मौजूदा हालात और आलोचना को देखते हुए चार दिन का यह आयोजन स्थगित कर दिया जाएगा, लेकिन मुझे भरोसा था कि यह कार्यक्रम जरूर होगा, क्योंकि मुझे पीएम मोदी पर पूरा भरोसा है। वेव्स समिट भारत के मीडिया और एंटरटेनमेंट सेक्टर को वैश्विक मंच पर ले जाने की एक पहल है। यह फिल्म, ओटीटी, गेमिंग, डिजिटल मीडिया, एआई, कॉमिक्स, ब्रॉडकास्टिंग और एक्सटेंडेड रियलिटी जैसे क्षेत्रों को एक मंच पर लाकर भारत की रचनात्मक शक्ति का प्रदर्शन करेगा।

इसका लक्ष्य 2029 तक 50 अरब डॉलर के बाजार को हासिल करना है। बता दें यह वेव्स समिट उस वक्त आयोजित हो रही है जब हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 28 लोगों की मौत हो गई है।

हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया है और देश में रह रहे सभी पाकिस्तानी नागरिकों को वापस जाने का आदेश दिया है।

बेंगलुरु के शो में फैन ने की डिमांड तो गुस्से से लाल हो गए सोनू निगम

बोले- वह फैन बहुत ही रूड तरीके से गाना गाने के लिए धमका रहा था

बेंगलुरु

बेंगलुरु में एक परफॉर्मेंस के दौरान गायक सोनू निगम अपना आपा खो बैठे। जिसका वीडियो वायरल हो गया। इसमें वह किसी फैन की डिमांड पर गुस्सा होते दिख रहे हैं। सोनू ने कहा कि उन्हें कन्नड़भाषियों से प्यार है, लेकिन जिस तरह से उस फैन ने धमकी भरे लहजे में कन्नड़ में गाने की मांग की, उन्हें अच्छा नहीं लगा। सोनू ने कहा कि इन्हीं सब वजहों से पहलगाम जैसी घटनाएं होती हैं।

वायरल वीडियो की क्लिप में सोनू निगम बोल रहे हैं, उन्हें कन्नड़ में गाना पसंद है और कर्नाटक के लोगों का सम्मान करते हैं। वह बोले- मैंने सभी भाषाओं में गाने गाए हैं। जो मेरी जिंदगी के बेहतरीन गाने हैं वो कन्नड़ हैं। मैं आपके बीच में जब भी आता हूं बहुत प्यार से आता हूं। सोनू ने बताया कि कैसे फैन ने उनको कन्नड़ में गाने की धमकी दी। बोले, मुझे अच्छा नहीं लगा कि वहां एक लड़का जिसकी उम्र उतनी नहीं होगी उससे पहले से मैं कन्नड़ में गीत गा रहा हूं। वह बहुत रूड तरीके से गाने के लिए धमका रहा था, कन्नड़, कन्नड़। यही कारण है, पहलगाम में जो हुआ है ना? यही कारण है जो कर रहे हो, जो किया था ना अभी? देखो तो कौन सामने खड़ा है। मुझे कन्नड़ लोगों से प्यार है, आई लव यू गाइज।

सोनू ने कहा कि पूरी दुनिया में वह कहीं भी परफॉर्म कर रहे हों, वहां एक भी कन्नड़ फैन होगा तो वह गाते हैं। सोनू बोले- मैं पूरी दुनिया में जहां भी जाता हूं, मैं हमेशा बोलता हूं, 14000 की ऑडियंस होगी उसमें एक आवाज आती है, कन्नड़ तो मैं उस एक कन्नड़ भाषी के लिए कुछ लाइन कन्नड़ में गाता हूं। मैं इतनी इज्जत करता हूं आपकी, इतना प्यार करता हूं। इसलिए ऐसा नहीं करना चाहिए आपको।

जाति जनगणना को लेकर राहुल गांधी सिर्फ श्रेय लेने के लिए हंगामा कर रहे

शिवराज बोले- जब कांग्रेस सरकार में थी, तब जाति जनगणना क्यों नहीं कराई?

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने जाति जनगणना कराने का फैसला लिया है। इसको लेकर श्रेय लेने की होड़ मच गई है।

केंद्र के फैसले पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज समाज कल्याण की नीतियां बनाने के लिए सटीक आंकड़े जरूरी हो गए हैं। जाति जनगणना जन कल्याण का आधार और सामाजिक न्याय की नींव बनेगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सिर्फ श्रेय लेने के लिए हंगामा कर रहे हैं। जब कांग्रेस सरकार थी, तब उन्होंने जाति जनगणना क्यों नहीं कराई?...वे तो जाति आधारित आरक्षण के भी खिलाफ थे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी जन कल्याण के लिए काम नहीं करती, बल्कि सिर्फ वोट बटोरने के लिए काम करती है। झूठ और फरेब फैलाना उनके डीएनए में है। वहीं, इससे पहले शिवराज ने कहा कि राहुल गांधी, कांग्रेस ने हमेशा जातिगत जनगणना का विरोध किया। देश में सालों तक कांग्रेस सरकार रही, फिर जातिगत जनगणना क्यों नहीं हुई? नेहरू जी ने पत्र लिखकर जाति आधारित आरक्षण और जनगणना का विरोध किया था। आप जवाब दें काका कालेलकर की रिपोर्ट किसने दबाई? मंडल कमीशन पर कांग्रेस का रुख क्या था?

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, आप श्रेय के लिए उछल-कूद कर रहे हैं, पहले जवाब दें कि कांग्रेस ने जातिगत जनगणना क्यों नहीं करवाई? कांग्रेस का विजन समाज का विभाजन रहा है। जबकि बीजेपी सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूलमंत्र के साथ आगे बढ़ रही है। राहुलजी, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि 1980 के दशक में जब मंडल कमीशन आया, तब इंदिराजी ने ही विरोध किया था। राजीवजी का जातिगत जनगणना को लेकर क्या रुख था?

दिवंगत पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह ने पार्लियामेंट में आश्वस्त किया था कि वह जातिगत जनगणना पर कैबिनेट में विचार करेंगे। मंत्रिमंडल का एक समूह ग्रुप ऑफ मिनिस्टर बना, तब भी

जातिगत जनगणना नहीं हुई।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को कहा कि अगली जनगणना में जाति गणना को शामिल करने के सरकार के फैसले ने असली इरादों और खोखली नारेबाजी के बीच के अंतर को उजागर किया है।

उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण फैसले ने हमारे असली इरादों और विपक्ष की खोखली नारेबाजी के बीच के अंतर को उजागर किया है। हालांकि अधिकतर विपक्षी दलों ने इसका स्वागत किया है।

राणा के वॉयस सैंपल और लिखावट के नमूने अब लिए जा सकेंगे, कोर्ट की मंजूरी

नई दिल्ली।

पटियाला हाउस कोर्ट ने मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा के वॉयस सैंपल और लिखावट के नमूने लेने की मंजूरी दे दी है। एनआईए ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर राणा के वॉयस सैंपल और लिखावट के नमूने लेने की इजाजत मांगी थी, जिसके बाद पटियाला हाउस कोर्ट ने उन्हें मंजूरी दी। राणा एनआईए की हिरासत में हैं। बीते महीने पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष अदालत ने राणा की हिरासत को 12 दिन के लिए बढ़ा दिया था। एनआईए ने कोर्ट से राणा की हिरासत बढ़ाने का अनुरोध किया था। इससे पहले राणा को 18 दिन की एनआईए हिरासत में भेजा गया था, जिसके खत्म होने के बाद उसे कड़ी सुरक्षा के बीच विशेष न्यायाधीश चंदर जीत सिंह की कोर्ट में पेश किया गया था। सुनवाई के दौरान एजेंसी ने दलील दी कि 17 साल पुराने आतंकी हमलों की साजिश के जाल को समझने और उससे जुड़े अन्य साजिशकर्ताओं तक पहुंचने के लिए राणा की हिरासत जरुरी है। उसने यह भी कहा कि जांच के लिए उसे कई स्थानों पर ले जाना जरूरी है। बता दें अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में तहव्वुर राणा की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उसने खुद को

भारत प्रत्यर्पित किए जाने के खिलाफ अपील की थी। राणा को 10 अप्रैल को भारत लाए जाने के बाद एनआईए ने उसे गिरफ्तार कर पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष एनआईए अदालत में पेश किया था। कोर्ट ने उसे 18 दिन की हिरासत में भेज दिया था। हिरासत अवधि खत्म होने के बाद उसे फिर से कोर्ट में पेश किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

कोलकाता अग्निकांड- होटल मालिक और प्रबंधक गिरफ्तार, 12 शवों की हुई पहचान

कोलकाता।

मध्य कोलकाता के उस होटल में लगी भीषण आग से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने गुरुवार को ऋतुराज होटल के मालिक आकाश चावला और प्रबंधक गौरव कपूर को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि स्वतः संज्ञान लेते हुए जोरासांको थाने में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि होटल से बरामद 14 शवों में से 12 की पहचान कर ली गई है और उनका पोस्टमार्टम भी कराया गया है। उन्होंने बताया कि इन शवों को उनके संबंधित परिवारों को सौंप दिया है। शेष दो शवों की पहचान करने की कोशिश जारी है। बता दें भीड़भाड़ वाले बड़ा बाजार इलाके के मछुआ में स्थित छह मंजिला किफायती होटल में मंगलवार रात 8.10 बजे आग लगी और उस वक्त होटल के 42 कमरों में 88 लोग मौजूद थे। आग की घटना के बाद वहां अफरा तफरी मच गई इस घटना में 14 लोगों ने अपनी जान गवां दी थी।

मणिपुर में दो तस्करों से याबा की 3 लाख गोलियां और नकदी बरामद

इंफाल। मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में मादक पदार्थ के संदिग्ध दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 35.41 किलोग्राम याबा की गोलियां बरामद की गईं। पुलिस ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को टीओबी यांगौबंग में दो वाहनों को रोका गया, जिनकी तलाशी लेने पर 2.6 लाख रुपए नकद मिले और याबा की करीब तीन लाख गोलियां बरामद की गई हैं। पुलिस को शक है कि वाहन भारत-म्यांमार सीमा पर मोरेह से चुराचांदपुर जा रहा था। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान पाओजाथांग किपगेन (30) और कम्मिनलुन किपगेन (24) के रूप में हुई है। याबा गोलियां भारत में अवैध है। इनमें 'मेथाम्फेटामाइन' होता है। पुलिस ने बताया कि एक अन्य अभियान में इंफाल पश्चिम जिले के पटसोई से मादक पदार्थ के संदिग्ध दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 274.8 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान केयेनबाम केनेडी सिंह (36) और केसाम सरत सिंह (55) के रूप में हुई है। पुलिस इन दोनों मामलों में आगे की कार्रवाई कर रही है।

दिल्ली सरकार कराएगी श्रमिकों और उनके परिवार की स्वास्थ्य जांच

दोपहर 12 से 3 बजे तक मिले आराम इसकी अधिसूचना करेगी जारी

नई दिल्ली। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली सरकार श्रमिकों और उनके परिवार के सदस्यों की सालाना स्वास्थ्य जांच कराएगी और उनके लिए दोपहर से अपराह्न 3 बजे तक का समय आराम करने के लिए तय करने के संबंध में अधिसूचना जारी करेगी। आज यानी 1 मई को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर श्रमिकों को सम्मानित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम रेखा ने कहा कि बीजेपी सरकार आजीविका के लिए दिल्ली आने वाले लोगों के बेहतर जीवन और बेहतर स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्ध है। बीजेपी के दिल्ली में सत्ता में आने के बाद पिछले दो महीनों में अपनी सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों पर प्रकाश डालते हुए रेखा गुप्ता ने कहा कि स्वास्थ्य जांच की योजना में सभी श्रमिक और उनके परिवार शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार यह भी तय करेगी कि जब दिन में बहुत गर्मी हो तो दोपहर 12 बजे से अपराह्न 3 बजे तक श्रमिकों को आराम दिया जाए और इसके लिए एक अधिसूचना जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बीजेपी सरकार ने पहले ही स्वास्थ्य बीमा के लिए आयुष्मान भारत, 70 साल और उससे ज्यादा उम्र के बुजुर्गों के लिए 'वय वंदना योजना', भोजन के लिए 'अटल कैंटीन' और बच्चों के लिए 'पालना केंद्र' जैसी योजनाओं को लागू करना शुरू कर दिया है, जिससे श्रमिकों को सीधे लाभ होगा।

अजमेर के होटल में लगी भीषण आग, 4 लोगों की मौत

अजमेर। डिग्गी बाजार क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक होटल में भीषण आग लग गई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य में जुट गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग सुबह करीब 6 बजे होटल की ऊपरी मंजिल से उठते धुएं के साथ शुरू हुई। देखते ही देखते आग ने पूरे होटल को चपेट में ले लिया। फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने के लिए स्थानीय लोगों ने भी दमकल कर्मियों की मदद की।प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की वजह माना जा रहा है।

इजरायल के बाद एक और शक्तिशाली देश ने किया भारत के समर्थन का ऐलान

लंदन, एजेंसी। इजरायल के बाद अब यूनाइटेड किंगडम ने पहलगाम आतंकी हमले में भारत का साथ देने का ऐलान कर दिया है। जो पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ा झटका है। ब्रिटेन की सरकार ने देश की संसद में पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करते हुए कहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई में हम भारत के साथ हैं। ब्रिटिश सरकार ने देश की संसद में बताया है कि ÷पहलगाम आतंकी हमले के अपराधियों को पकड़ने में भारत को हमारा पूरा समर्थन है÷। उसने यह भी कहा कि ÷भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए ब्रिटेन ÷अपनी पूरी राजनयिक भूमिका निभाना चाहता है÷। आपको बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का असर लंदन की सड़कों पर भी दिख रहा है, जहां भारत और पाकिस्तान मूल के नागरिक बार बार सड़कों पर आ रहे है। हाउस ऑफ कॉमन्स में विदेश कार्यालय के मंत्री हैमिश फाल्कनर ने कहा कि ÷यह जरूरी है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां इस मामले की ठीक से जांच करें और अपराधियों पर फोकस करें।÷ ब्रिटिश सरकार ने कहा कि ÷यह बहुत जरूरी है कि ब्रिटेन में हम सभी, जो समुदाय के स्तर पर प्रभावशाली पदों पर हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करें कि यह तनाव ब्रिटिश सड़कों पर न फैले। एक भयानक आतंकवादी हमला हुआ है... हम पाकिस्तानियों से आग्रह करते हैं कि वे जांच

में भारतीय सरकार का पूरा सहयोग करें। फाल्कनर, पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले पर एक बहस के दौरान बोल रहे थे। यह बहस लेबर पार्टी के सांसद गुरिंदर सिंह जोसन के एक सवाल के बाद शुरू हुई थी। जिसमें उन्होंने पूछा था कि इस आतंकी हमले को लेकर ब्रिटिश सरकार का स्टैंड क्या है? इस पर फाल्कनर ने कहा कि ÷दोनों देश आपस में बात कर रहे हैं, जो अच्छी बात है। भारत को अपनी सुरक्षा की चिंता होना स्वाभाविक है, क्योंकि यह एक भयानक घटना है। भारत इस घटना के तथ्यों को स्थापित करने की पूरी कोशिश कर रहा है और उसे इसमें ब्रिटेन का समर्थन मिलेगा।÷ हालांकि फाल्कनर ने यह बताने से इनकार कर दिया कि ब्रिटेन की सुरक्षा एजेंसियों को इस बारे में अभी तक क्या पता है कि हमलों के पीछे कौन है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और भारत के उच्चायोगों को ÷ब्रिटेन सरकार से पूरी सुरक्षा मिलेगी ताकि वे सुरक्षित रहें। वहीं जम्मू और कश्मीर में जन्मे एक शख्स, जिसका नाम अंकित लव है, उसपर रविवार को पाकिस्तान के उच्चायोग में खिड़कियां तोड़ने का आरोप लगा है, जिसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया था। उसे सोमवार को अदालत में पेश किया गया। आपको बता दें कि अंकित लव पर भारतीय सरकार ने 2022 में भारतीय उच्चायोग पर अंडे और पत्थर फेंकने के आरोप में ब्लैकलिस्ट कर दिया था। फाल्कनर ने ब्रिटेन की संसद में सांसदों को बताया कि उन्हें एक पाकिस्तानी राजनयिक के गले काटने के इशारे वाले वीडियो के बारे में पता है। फाल्कनर ने कहा, ÷मेट्रोपॉलिटन पुलिस इसकी जांच कर रही है, इसलिए मैं इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा, लेकिन यह निश्चित रूप से चिंताजनक है।

आईएसपीआर के डीजी ने पाकिस्तान में भारत प्रायोजित आतंकवाद के सबूत पेश किए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारत द्वारा पाकिस्तान में किए जा रहे ꠵राज्य प्रायोजित आतंकवाद꠵ के सबूत पेश किए। कहा गया कि पाकिस्तान के पास भारत द्वारा देश में फैलाए जा रहे आतंकवाद के सबूत हैं लेकिन भारत जो पहलगाम हमले का आरोप पाक पर लगा रहा है, उसके समर्थन में वह कोई ठोस प्रमाण नहीं दे सका है। पत्रकार वार्ता की शुरुआत में जनरल चौधरी ने कहा कि यह ब्रीफिंग विशेष रूप से एक अहम मसले पर स्थानीय और विदेशी मीडिया को पाकिस्तान का पक्ष स्पष्ट करने के लिए बुलाई गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत सीमा पार आतंकवाद में संलिप्त है और पाकिस्तान की संप्रभुता को कमजोर करने के लिए आतंकी नेटवर्कों का संचालन कर रहा है। आईएसपीआर के डीजी ने बताया कि भारत पाकिस्तान के अंदर बारूदी सुरंगें (आईईडी), विस्फोटक सामग्री और अन्य हथियार पहुंचाकर आतंकवादियों को सुरक्षा बलों और आम नागरिकों पर हमले के लिए उकसा रहा है। उन्होंने कहा कि ये सबूत भारत की लंबे समय से चली आ रही पाकिस्तान-विरोधी नीति का हिस्सा हैं, जो राज्य प्रायोजित आतंकवाद के रूप में सामने आ रही है।

भारत से तनाव बढ़ने के बीच पीटीआई ने जेल में बंद अपने नेता इमरान खान को रिहा करने की मांग उठाई

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि निलंबित किये जाने से तिलमिलाए पाकिस्तान में प्रमुख विपक्षी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने जेल में बंद अपने नेता इमरान खान की रिहाई की मांग की है, ताकि वह भारत के साथ बढ़ते तनाव पर राष्ट्रीय विचार-विमर्श में हिस्सा ले सकें। पार्टी ने राजनीतिक नेतृत्व से तत्काल बहुदलीय सम्मेलन बुलाने का भी आह्वान करके उसमें खान को भी शामिल करने की मांग भी की है। डॉन अखबार के अनुसार यह मांग सोमवार को सीनेट में की गई। सीनेट में दोनों पक्षों के सांसदों ने सिंधु जल संधि निलंबित करने और 22 अप्रैल के हमले के बाद युद्ध उन्माद को बढ़ावा देने के लिए भारत की आलोचना की। सीनेट में पीटीआई के संसदीय नेता सीनेटर अली जफर ने कहा कि राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे के लिए राजनीतिक मतभेदों को अलग रखना चाहिए। वर्तमान परिस्थितियों में बहुदलीय सम्मेलन ही एकमात्र उपाय है। अगर इमरान खान को ऐसी बैठक में हिस्सा लेने की अनुमति दी जाती है, तो इससे दुनिया भर में यह संदेश जाएगा कि पाकिस्तान एकजुट है। पीटीआई सीनेटर शिबली फराज ने कहा कि इमरान खान को मीनार-ए-पाकिस्तान में सार्वजनिक सभा करने और भारत के साथ वाघा सीमा की ओर मार्च करने के लिए लोगों को आह्वान करने के लिए टीवी पर आने की अनुमति दी जानी चाहिए। फराज ने विश्वास व्यक्त किया कि खान के आह्वान पर 10 मिलियन से अधिक लोग एकत्र होंगे। उन्होंने कहा कि केवल लोगों का सच्चा प्रतिनिधि ही भारत को एक मजबूत संदेश दे सकता है। उन्होंने सभी राजनीतिक कैदियों की रिहाई और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने की प्रथा को खत्म करने की भी मांग की।

संक्षिप्त समाचार

सऊदी अरब ने अनधिकृत हज यात्रियों के लिए दंडात्मक व्यवस्था 28 अप्रैल से लागू

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब के आंतरिक मंत्रालय ने हज परमिट नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों और उनके मददगारों के लिए दंड की घोषणा की है। मंत्रालय ने कहा कि यह दंडात्मक व्यवस्था 28 अप्रैल से लागू कर दी गई है। यह 10 जून तक प्रभावी रहेगी। बिना परमिट के हज करने या कराने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों पर सऊदी रियाल 20 हजार (5,331.43 अमेरिकी डॉलर) तक का जुर्माना लगाया जाएगा। अरब न्यूज अखबार के अनुसार आंतरिक मंत्रालय ने साफ किया है कि विजिट वीजा के लिए आवेदन करने वाले किसी भी व्यक्ति पर एक लाख सऊदी रियाल तक का जुर्माना लगाया जाएगा। यह आर्थिक दंड उन सभी लोगों पर लागू होगा, जो यात्रा वीजा धारकों को निर्दिष्ट अवधि के दौरान मक्का शहर और पवित्र स्थलों पर ले जाते हैं या ले जाने का प्रयास करते हैं। ऐसे लोगों को होटल, अपार्टमेंट, निजी आवास, आश्रय या आवास स्थलों सहित किसी भी आवास में आश्रय देने वालों से भी यह आर्थिक दंड वसूला जाएगा। विशेष मामलों में आर्थिक दंड को और भी बढ़ाया जा सकता है। मंत्रालय ने कहा कि संबंधित अदालत से अनुरोध किया जाएगा कि वह निर्दिष्ट अवधि के दौरान मक्का शहर और पवित्र स्थलों तक यात्रा वीजा धारकों के परिवहन के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहनों को जब्त कर ले, यदि उनका स्वामित्व ट्रांसपोर्टर, सुविधाकर्ता या किसी सहयोगी के पास है।

इजराइल की घरेलू खुफिया सेवा शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने की इस्तीफे की घोषणा, 15 जून को पद छोड़ देंगे

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल की घरेलू खुफिया सेवा शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने इस्तीफे की घोषणा की है।

वह 15 जून को पद छोड़ देंगे। बार की यह घोषणा कतरगेट की जांच के दौरान आई है। शिन बेट पर सात अक्टूबर के हमास के हमलों को रोकने में विफलता का आरोप भी लग चुका है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस विफलता की सार्वजनिक जांच कराने की घोषणा भी कर चुके हैं। इजराइल की वेबसाइट वाई नेट न्यूज के अनुसार, शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने मेमोरियल डे कार्यक्रम से एक दिन पहले सोमवार शाम घोषणा की कि वह 15 जून को अपना पद छोड़ देंगे। नेतन्याहू ने पूर्व में उन्हें हटाने की कोशिश भी की थी। विश्लेषकों का कहना है कि इजराइल में आतंकवाद-रोधी जांच का जिम्मा संभालने वाली शिन बेट नेतन्याहू की दक्षिणपंथी गठबंधन सरकार के विरुद्ध बढ़ते राजनीतिक संघर्ष के केंद्र में रही है। नेतन्याहू ने 16 मार्च को कहा था कि वह काफी पहले रोनेन बार पर भरोसा खो चुके हैं। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने रोनेन बार को बर्खास्त करने के सरकार के प्रयास पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी थी। रोनेन ने दावा किया था कि नेतन्याहू उन्हें इसलिए बर्खास्त करना चाहते है, क्योंकि उन्होंने इजराइली प्रदर्शनकारियों की जासूसी करने और भ्रष्टाचार के मुकदमे को बाधित करने समेत विभिन्न आग्रहों को मानने से इनकार कर दिया था। इन आरोपों के जवाब में नेतन्याहू ने रोनेन पर झूठ बोलने का आरोप लगाया था।

स्पेन और पुर्तगाल में भीषण ब्लैकआउट, साइबर हमले की आशंका खारिज

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन की विद्युत ग्रिड संचालन कंपनी आरईई ने मंगलवार को कहा कि उनकी प्रारंभिक जांच में हाल ही में हुए व्यापक ब्लैकआउट के पीछे किसी साइबर हमले की आशंका को खारिज कर दिया है। सोमवार की दोपहर 12:33 बजे (स्थानीय समय) स्पेन और पुर्तगाल के अधिकांश हिस्सों में अचानक बिजली गुल हो गई थी, जो इस क्षेत्र के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा बिजली संकट माना जा रहा है। आरईई के सिस्टम ऑपरेशंस प्रमुख एडुआर्डो प्रियेतो ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह संकट दक्षिण-पश्चिमी स्पेन में बिजली उत्पादन के भारी नुकसान के कारण उत्पन्न हुआ। इसने पूरे सिस्टम में अस्थिरता पैदा की, जिससे फ्रांस के ग्रिड से कनेक्शन टूट गया। प्रियेतो ने यह भी कहा कि प्रभावित उत्पादन यूनिट संभवतः सौर ऊर्जा आधारित हो सकती है।

पाकिस्तान को जासूसों ने किया आगाह, भारत कभी भी कर सकता है सैन्य कार्रवाई, 24 से 36 घंटे बेहद अहम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की हुकूमत को उसके जासूसों ने आगाह किया है। जासूसों ने कहा है कि यह चौकन्ना रहने का वक्त है। भारत कभी भी सैन्य कार्रवाई कर सकता है। आने वाले 24 से 36 घंटे बेहद अहम हैं। जासूसों की यह चेतावनी भारत के जम्मू-कश्मीर के पर्यटक स्थल पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद आई है। सूचनामंत्री अताउल्लाह तरार ने माना है कि संघीय सरकार को ऐसी खुफिया रिपोर्ट मिली है। इस पर अविश्वास का कोई कारण नहीं है। डॉन अखबार की खबर के अनुसार, सूचनामंत्री तरार ने आज सुबह कहा कि विश्वसनीय खुफिया रिपोर्ट्स से संकेत मिलता है कि भारत दोनों देशों के बीच तनाव के बीच अगले 24 से 36 घंटों में पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने की योजना बना रहा है।

कनाडा चुनाव 2025: मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी चौथी बार सत्ता में, बहुमत से कुछ कदम दूर

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में हुए संघीय चुनावों में प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व वाली लिबरल पार्टी ने लगातार चौथी बार सरकार बनाने की दिशा में सफलता प्राप्त की है।

हालांकि, पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है, फिर भी यह परिणाम उनके लिए एक महत्वपूर्ण वापसी को दर्शाता है, विशेषकर तब जब कुछ समय पहले तक वे विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी से काफी पीछे चल रहे थे। लिबरल पार्टी ने 343 सदस्यीय हाउस ऑफ कॉमन्स में 165 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि 4 सीटों पर आगे चल रही है। जो बहुमत के लिए आवश्यक 172 सीटों से थोड़ा कम है। इसके बावजूद, यह परिणाम पार्टी के लिए उत्साहजनक है, क्योंकि उन्होंने ओंटारियो और क्यूबेक जैसे प्रमुख प्रांतों में मजबूत प्रदर्शन किया। वहीं, चुनाव में कंजरवेटिव पार्टी मुख्य विपक्ष के रूप में उभरी है, जिसने लगभग 140 सीटें जीती हैं और 4 सीट पर आगे चल रही है। जबकि ब्लॉक क्यूबेकॉइस ने 22 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं, न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) ने छह सीट पर जीत के साथ एक पर आगे चल रही है। ग्रीन पार्टी ऑफ कनाडा को भी एक सीट पर जीत मिली है। कनाडा चुनाव में अब भी विशेष मतपत्रों की गिनती जारी है।

पहलगाम घटना पर चीन ने पड़ोसी देशों में बढ़ाई कूटनीतिक सक्रियता

काठमांडू, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जहां अमेरिका और रूस जैसी विश्व शक्तियों ने भारत के पक्ष में होने का संदेश दिया है, वहीं चीन ने अपने तेवर बदलते हुए पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाया है। पाकिस्तान द्वारा पहलगाम घटना की जांच का विषय उठाने के बाद चीन ने अपना समर्थन दिया है। इतना ही नहीं चीन ने इस विषय पर भारत के पड़ोसी देश में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। पहलगाम हमले की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवाद के खिलाफ भारत के हर कदम का समर्थन करने की घोषणा करने वाले नेपाल पर चीन ने दबाव देना शुरू किया है। नेपाल में चीन के राजदूत की सक्रियता सिर्फ सरकार ही नहीं राजनीतिक दलों के नेताओं से मुलाकात इसी ओर संकेत कर रहा है। पिछले दो दिनों में नेपाल में चीन के राजदूत छन सोंग ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा, माओवादी अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड और विदेश मंत्री डॉ आरजू राणा से गुपचुप मुलाकात की है। हालांकि पहलगाम घटना के बाद नेपाल के प्रधानमंत्री ओली ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से टेलीफोन संवाद कर अपनी संवेदना प्रकट करते हुए घटना की कड़ी निंदा की थी। नेपाल सरकार के तरफ से भी बयान जारी करते हुए पहलगाम आतंकी घटना की निंदा करते हुए आतंकवाद को किसी बहाने समर्थन नहीं किए जाने की बात स्पष्ट की थी। लेकिन नेपाल में चीन की सक्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि नेपाल सरकार के बयान के ठीक विपरीत संसद में सत्तारूढ़ दल के नेता अलग ही बयान दे रहे हैं। पहलगाम घटना पर अपनी पार्टी का पक्ष रखते हुए नेपाली कांग्रेस के प्रमुख सचेतक श्याम घिमिरे ने कहा कि उनकी पार्टी दक्षिण एशिया में बढ़ रहे तनाव और संभावित युद्ध से चिंतित है। नेपाली कांग्रेस यह

मानती है कि सभी द्वंद का समाधान वार्ता से संभव है। इतना ही नहीं घिमिरे ने यह भी स्पष्ट किया कि नेपाल किसी भी देश के पक्ष में खड़ा नहीं रहेगा और ना ही युद्ध जैसी स्थिति में वो किसी सैन्य गठबंधन का हिस्सा बनेगा। नेपाली कांग्रेस पार्टी के तरफ से संसद में इस तरह का बयान भारत के लिए चिंता का विषय है। नेपाल की कम्यूनिष्ट पार्टी के साथ सत्ता गठबंधन में रहे डेमोक्रेटिक विचारधारा वाली पार्टी का यह बयान चिंताजनक है। माना जा रहा है कि चीन के दबाव में ही कांग्रेस का इस तरह का बयान आया है।

चीन के लियाओनिंग रेस्तरां में आग लगी, 22 लोगों की मौत : बीजिंग, एजेंसी। पूर्वोत्तर चीन के लियाओनिंग प्रांत के लियाओयांग शहर में मंगलवार दोपहर 12:25 बजे लियाओनिंग रेस्तरां में आग लग गई। इस दौरान 22 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य झुलस गए। इस संबंध में रेस्तरां के प्रभारी को हिरासत में लिया गया है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार सूचना मिलते ही राहत और बचाव अभियान के लिए 22 दमकल गाड़ियां और 85 अग्निशमन कर्मी भेजे गए। अभियान के दौरान आसपास के निवासियों को सुरक्षित निकाला गया। राहत और बचाव अभियान पूरी हो गया है। झुलसे लोगों को नजदीकी अस्पताल में भेजा गया। लियाओयांग शहर चीन की राजधानी बीजिंग से लगभग 580 किलोमीटर (360 मील) उत्तर-पूर्व में है। चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि इस हादसे में काफी लोग हताहत हुए हैं। इससे मिले सबक बेहद गंभीर हैं। यह रेस्तरां दो मंजिला बताया गया है। इसी महीने उत्तरी चीन के हेबेई प्रांत में एक नर्सिंग होम में आग लगने से 20 लोगों की मौत हो गई थी।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय में यहूदी विरोधी और इस्लामोफोबिया का साया, रिपोर्ट जारी की, किया बदलाव का वादा

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थान हार्वर्ड विश्वविद्यालय पिछले कुछ समय से यहूदी विरोधी और इस्लामोफोबिया की गतिविधियों का केंद्र बना हुआ है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय की मंगलवार को सार्वजनिक की गई रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। हार्वर्ड ने इसमें बदलाव का वादा किया है। उल्लेखनीय है कि हार्वर्ड ने पिछले दिनों फंड में कटौती का विरोध करते हुए ट्रंप प्रशासन के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया था। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने यहूदी विरोधी और इस्लामोफोबिया पर रिपोर्ट के बाद बदलाव का वादा किया है। यह दोनों रिपोर्ट हार्वर्ड टास्क फोर्स ने जारी की हैं। हार्वर्ड टास्क फोर्स ने कहा है कि यहूदी विरोधी भावना ने पाठ्यक्रम, सामाजिक जीवन, कुछ संकाय सदस्यों की नियुक्ति और कुछ शैक्षणिक कार्यक्रमों के वैश्विक दृष्टिकोण में घुसपैठ कर ली है। हार्वर्ड टास्क फोर्स ने कैंपस में अरब विरोधी, मुस्लिम विरोधी और फिलिस्तीन विरोधी पूर्वाग्रह पर एक अलग रिपोर्ट भी जारी की है। इसमें कहा गया है कि अधिकांश मुस्लिम विद्यार्थियों को

अपने राजनीतिक विचारों को व्यक्त करने के लिए शैक्षणिक या पेशेवर दंड का सामना करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन कैंपस में यहूदी विरोधी भावना के आरोपों की जांच कर रहा है।

विश्वविद्यालय संघीय निधि में अरबों डॉलर वापस लेने का विरोध कर रहा है। द बोस्टन ग्लोब की खबर के अनुसार, इस रिपोर्ट के आने के बाद अरब और मुस्लिम विद्यार्थियों ने कहा कि कैंपस में उन्हें दोयम दर्जे के नागरिक जैसा महसूस होता है। साथी उन्हें संदेह की दृष्टि से देखते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने ट्रंप प्रशासन के साथ अपने असाधारण टकराव के बीच दोनों रिपोर्ट मंगलवार को जारी की हैं। दोनों रिपोर्ट पिछले साल शरद ऋतु में जारी की जानी थी। ट्रंप प्रशासन ने 19 अप्रैल को मांग की थी कि हार्वर्ड यहूदी विरोधी रिपोर्ट से संबंधित सभी दस्तावेज सौंपे। उल्लेखनीय है कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय मैसाचुसेट्स राज्य के कैम्ब्रिज शहर में स्थित है। यह एक निजी शोध विश्वविद्यालय है और आईवी लीग का सदस्य है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका में उच्च शिक्षा का सबसे पुराना संस्थान है। इसकी स्थापना 1636 में हुई थी। यहां पढ़ चुके कई लोगों को नोबेल और पुलित्जर पुरस्कार मिल चुका है। फेसबुक संस्थापक मार्क जुकरबर्ग भी यहां के छात्र रहे हैं।

मेहुल चोकसी ने बेल्जियम कोर्ट में दायर की नई याचिका, गिरफ्तारी को बताया अवैध और अन्यायपूर्ण

ब्रुसेल्स, एजेंसी। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के मुख्य आरोपित और भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी ने बेल्जियम की अपीलीय अदालत में एक नई याचिका दायर की है, जिसमें उसने अपनी गिरफ्तारी को प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के उल्लंघन और प्रक्रियागत अनियमितताओं के आधार पर चुनौती दी है। अदालत ने इस मामले में फिलहाल सुनवाई स्थगित कर दी है। चोकसी की ओर से यह याचिका उनके अधिवक्ता विजय अग्रवाल द्वारा तैयार की गई है और बेल्जियम में नियुक्त उनकी कानूनी टीम ने इसे अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया। याचिका में दावा किया गया है कि भारतीय प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद उसकी गिरफ्तारी के दौरान बेल्जियम अधिकारियों ने निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया और उसे मनमाने ढंग से हिरासत में लिया गया। अधिवक्ता विजय अग्रवाल ने मीडिया से बातचीत में कहा, मेरे मुवक्किल के साथ न्यायिक प्रक्रिया में न केवल लापरवाही बरती गई, बल्कि उसे उसके मौलिक अधिकारों से भी वंचित किया गया। यह गिरफ्तारी प्राकृतिक न्याय के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है। चोकसी

ने याचिका में यह भी मांग की है कि उसे तत्काल रिहा किया जाए क्योंकि उसकी गिरफ्तारी गैर-कानूनी और असंवैधानिक थी। यह नई अपील तब दायर की गई है जब कुछ ही दिन पहले बेल्जियम की एक अदालत ने 13,500 करोड़ रुपये के पीएनबी धोखाधड़ी मामले में उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उस समय अदालत ने तीन जजों की पीठ के सामने डच भाषा में दलीलें सुनी थीं। उल्लेखनीय है कि बेल्जियम में इसी माह की शुरुआत में मेहुल चोकसी को भारतीय अधिकारियों के आधिकारिक प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद गिरफ्तार किया गया था। अदालत की अगली सुनवाई की तारीख अभी तय नहीं हुई है।

कनाडा ने लिबरल पार्टी को दिया जनादेश, प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का सबको साथ लेकर चलने का वादा

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कड़े टैरिफ को लेकर मची उथल-पुथल के बीच हुए संसदीय चुनाव में प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व वाली लिबरल पार्टी लगातार चौथी बार सरकार बनाती दिख रही है। हालांकि वह बहुमत के आंकड़े से कुछ दूर है। कार्नी ने मतगणना में लिबरल पार्टी की निर्णायक बढ़त के दौरान अपने पहले भाषण में सबको साथ लेकर चलने का वादा किया। अपने विजय भाषण में मार्क कार्नी ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप हमें तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। वह कनाडा पर कब्जा करना चाहते थे। अब ऐसा कभी नहीं होगा। कनाडा के निर्वाचन आयोग ने दोपहर ढाई बजे मतगणना के रुझान जारी किए। आयोग के अनुसार, कार्नी की लिबरल पार्टी 168, कंजर्वेटिव पार्टी 144, ब्लॉक क्यूबेकॉइस 23, न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी सात और ग्रीन पार्टी एक सीट पर आगे चल रही है। सीटीवी न्यूज के अनुसार, लिबरल पार्टी 45वें संसदीय चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। मतगणना के रुझानों में अब परिवर्तन होने की संभावना ना के बराबर है। हाउस ऑफ कॉमन्स में 343 सीटें हैं। बहुमत की सरकार बनाने के लिए किसी भी दल को 172 सीटों की जरूरत होती है। कार्नी ने आज सुबह ओटावा में अपने समर्थकों से कहा, मैंने राजनीति को इसलिए चुना, क्योंकि मुझे लगा कि देश को बड़े बदलाव की जरूरत है। यह बदलाव मजबूत कनाडाई मूल्यों के आधार पर होने चाहिए। यह मूल्य हैं- विनम्रता, महत्वाकांक्षा और एकता। उन्होंने कहा कि इन मूल्यों के बिना कोई भी बदलाव निरर्थक है। प्रधानमंत्री कार्नी ने कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोइलिव्रे को चुनाव में कड़ी मेहनत के लिए बधाई दी। चुनाव नतीजों पर एंगस रीड इंस्टीट्यूट (पोलिंग फर्म) के अध्यक्ष शाची

कुर्ल की प्रतिक्रिया सामने आई है। कुर्ल के अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ का कड़ा जवाब देना कार्नी के लिए चुनाव में फायदेमंद रहा। कार्नी ने टैरिफ को लेकर वाशिंगटन के साथ सख्त रुख अपनाने का वादा किया था। इस चुनाव में कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्प ने लिबरल पार्टी की जीत का अनुमान लगाया था। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि वे कनाडा में निर्मित कारों पर 25 प्रतिशत टैरिफ बढ़ा सकते हैं। 51वां राज्य बनाने के लिए आर्थिक बल का उपयोग कर सकते हैं। कनाडा में चुनाव के वक्त भी सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने कनाडा को 51वां राज्य बनाने के अपने आह्वान को दोहराया। सीटीवी न्यूज का कहना है कि कनाडा की दो छोटी पार्टियां न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी और ब्लॉक क्यूबेकॉइस सरकार बनाने पर लिबरल पार्टी का साथ दे सकती हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वडोदरा एंटी करप्शन ब्यूरो कापोद्रा पुलिस स्टेशन रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया।

महिला PSI मधु रबारी, उसका राइटर नवनीत जठवा और दलाल 63 हजार की रिश्वत में ACB के जाल में फंसे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

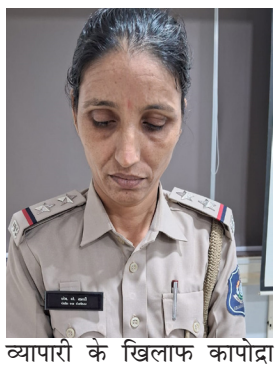

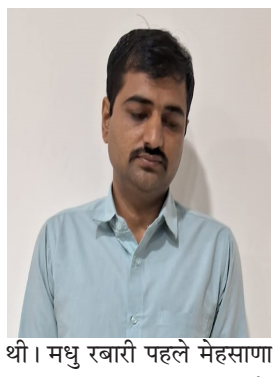

कापोद्रा पुलिस स्टेशन मे वडोदरा एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने कापोद्रा की हीराबाग पुलिस चौकी में जाल बिछाकर महिला PSI मधु रबारी, उसके राइटर ASI नवनीत जठवा और उसके दलाल मानसिंह सिसोदिया को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया।

घटना की शुरुआत उस समय हुई जब कापोद्रा क्षेत्र में हीरे की लेन-देन को लेकर 4.63 लाख की राशि से जुड़ी एक शिकायत कापोद्रा पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाई गई थी। इस शिकायत की जांच की जिम्मेदारी हीराबाग पुलिस चौकी की महिला PSI मधु रबारी को सौंपी गई थी। जांच के नाम पर मधु रबारी ने शिकायतकर्ता हीरा व्यापारी को धमकाना शुरू किया और ऐसा जताया जैसे कि उसने 4.63 लाख का हवाला लिया हो। इसके बाद महिला PSI ने व्यापारी से कुछ रकम कम करवाने के बदले 63,000 की रिश्वत मांगी। रिश्वत देने से इंकार करते हुए व्यापारी ने वडोदरा एसीबी से संपर्क किया। रिश्वत की रकम महिला PSI की ओर से ASI नवनीत जठवा ने मांगी थी, जिसे मानसिंह सिसोदिया (जठवा का दलाल) को देना तय हुआ। व्यापारी ने यह रकम पुलिस चौकी के पास एक कॉम्प्लेक्स के टॉयलेट के बाहर मानसिंह को दी, जिसने रकम अपनी जेब में रखकर पुलिस चौकी में प्रवेश किया। इसी दौरान एसीबी की टीम ने रेड कर तीनों — महिला PSI मधु रबारी, राइटर नवनीत जठवा और मानसिंह सिसोदिया — को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

कापोद्रा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई गई थी। व्यापारी को कुल 10.13 लाख की रकम चुकानी थी, जिसमें से उसने पहले ही 5.50 लाख चुका दिए थे, जबकि बाकी 4.63 लाख की राशि बकाया थी। इसी मुद्दे पर व्यापारी के खिलाफ शिकायत की गई थी, जिसकी जांच महिला PSI मधु रबारी को सौंपी गई। जांच के दौरान PSI मधु रबारी ने व्यापारी पर दबाव बनाना शुरू किया, जिससे डरकर व्यापारी ने किसी तरह 1 लाख की राशि शिकायतकर्ता को दे दी। अब 3.63 लाख की रकम बाकी थी। इस पर महिला PSI ने 1 लाख की राशि कम करवाकर 2.63 लाख में समझौता करवाने की बात कही — लेकिन इसके बदले में उसने 63 हजार की रिश्वत मांगी।

महिला PSI के पारिवारिक और सेवा विवरण:

PSI मधु रबारी के पति ऑफिस सुपरिंटेंडेंट के पद पर कार्यरत थे, लेकिन उन्होंने स्वेच्छा से सेवानिवृत्ति ले ली थी। मधु रबारी पहले मेहसाणा में जमादार थीं। प्रमोशन के बाद उन्हें PSI बनाया गया और एक साल पहले उनका तबादला सूरत में हुआ था। वहीं, ASI नवनीत जठवा दो साल पहले पुलिस विभाग में भर्ती हुआ था।

ASI भागने की कोशिश करते समय ACB स्टाफ ने दबोच लिया

हीराबाग पुलिस चौकी में रिश्वतखोरी के मामले में महिला PSI, उसका राइटर और बिचौलिये को ACB की टीम ने रंगे हाथ पकड़ लिया। इस दौरान ASI नवनीत जठवा ने ACB स्टाफ को धक्का मारकर भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे तुरंत पकड़ लिया।

पकड़े गए आरोपी:

PSI मधु अमी रबारी (उम्र 42) निवासी: शक्तिविजय सोसायटी, वराछा, मूल निवासी: मेहसाणा वेतन: 70,000 प्रति माह

ASI नवनीत हमीर जठवा (उम्र 29)निवासी:जय जलाराम सोसायटी, वराछा, मूल निवासी: जूनागढ़ वेतन: 29,800 प्रति माह

बिचौलिया- मानसिंह राम सिसोदिया (उम्र 23) निवासी: जय जलाराम सोसायटी, वराछा, मूल निवासी: जूनागढ़

ACB की इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है, और अब तीनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

नाबालिग को भगाने वाली शिक्षिका को 5 माह की गर्भवती होने का खुलासा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

एक चौंकाने वाले मामले में, एक शिक्षिका द्वारा नाबालिग छात्र को भगाने की घटना में नया मोड़ आया है। जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि शिक्षिका 5 महीने की गर्भवती है। इस मामले ने समाज और शिक्षा जगत में हड़कंप मचा दिया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि शिक्षिका और नाबालिग के बीच पिछले कुछ समय से घनिष्ठ संबंध थे। जब छात्र के परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई, तब पुलिस ने कार्रवाई शुरू की और बाद में दोनों को ढूंढ निकाला। मेडिकल जांच के दौरान शिक्षिका के गर्भवती होने की पुष्टि हुई।

अब पुलिस IPC और POCSO एक्ट की धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया चला रही है। चूंकि पीड़ित नाबालिग है, इसलिए शिक्षिका पर गंभीर आरोप तय किए गए हैं।

बिना फायर NOC के चल रही शहर और ग्रामीण इलाकों की 68 स्कूलों पर 10,000 का जुर्माना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की कुल 68 स्कूलों को फायर एनओसी (NOC) के बिना संचालन करते हुए पकड़ा गया है। इस पर शिक्षा विभाग ने तत्काल कार्रवाई का आदेश दिया, जिसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी (DEO) डॉ. भगिरथसिंह परमार और इंचार्ज जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी अरुण अग्रवाल ने सभी स्कूलों पर 10,000-10,000 का जुर्माना लगाया।

तक्षशिला अग्निकांड के बाद सख्ती डॉ. परमार और अरुण अग्रवाल के अनुसार, तक्षशिला अग्निकांड जैसी दुखद घटनाओं के बाद छात्र सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। नियमों के मुताबिक, हर स्कूल को नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले फायर सेफ्टी उपकरणों की जांच करानी होती है और वैध फायर NOC लेकर शिक्षा कार्यालय में जमा करवानी होती है।

शहरी इलाकों में 24 स्कूलों ने नियमों की अनदेखी की सूरत के लिंबायत, उधना, पांडेसरा, वराछा, सचिन और अडाजन जैसे क्षेत्रों की 26 स्कूलों को नोटिस जारी किया गया था, जिनमें से केवल 2 स्कूलों ने दस्तावेज प्रस्तुत किए, जबकि 24 स्कूलों ने नियमों की अनदेखी की। इस पर डॉ. परमार ने सभी 24 स्कूलों को 10,000 का दंड दिया।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी 44 स्कूलें दोषी पाई गईं ग्रामीण क्षेत्रों में 44 स्कूलें फायर ह्हष्ट के बिना संचालन कर रही थीं। इंचार्ज प्राथमिक शिक्षा अधिकारी अरुण अग्रवाल ने इन सभी स्कूलों पर 10,000 का जुर्माना लगाया।

अरुण अग्रवाल, इंचार्ज जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी, सूरत: "बिना फायर NOC के स्कूल चलाना छात्रों की सुरक्षा के लिए खतरा है। हमने नियमों के पालन का संकल्प लिया है, और जो स्कूल लापरवाही कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।"

पहलगाम हमले के बाद सैलानियों की संख्या घटने से

सूरत के टेक्सटाइल उद्योग को झटका, कपड़ों का बड़ा ऑर्डर रद्द।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के चलते रातोंरात सैलानियों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिसके कारण जम्मू-कश्मीर के व्यापारियों ने औसतन 20 लाख मीटर कपड़े के ऑर्डर रद्द कर दिए हैं। हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात बनने से स्थिति में कब सुधार होगा, इसका कोई ठोस अनुमान नहीं लगाया जा सकता। ऐसे में दोबारा कब ऑर्डर मिलेंगे, इसे लेकर भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में सैलानियों से "क्या आप हिंदू हैं या मुसलमान?" पूछने के बाद अंधाधुंध गोलीबारी कर 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी गई। भारत के कट्टर दुश्मन पाकिस्तान द्वारा प्रेरित इस हमले को लेकर चर्चाएं हो रही हैं, वहीं पाकिस्तान के झंडे पर च्मुर्दाबादज् लिखकर चप्पलें मारी जा रही हैं। देश के विभिन्न संगठनों द्वारा अलग-अलग तरीकों से विरोध प्रदर्शन भी किए जा रहे हैं। हालांकि इस हमले का सीधा असर सूरत के प्रतिष्ठित टेक्सटाइल उद्योग पर भी पड़ा है।

टेक्सटाइल उद्योगकारों के अनुसार, सूरत से हर महीने औसतन 25 लाख मीटर कपड़ा जम्मू-कश्मीर भेजा जाता है। लेकिन आतंकी हमले के बाद सैलानियों की संख्या में रातोंरात भारी गिरावट देखी गई है।

इसी कारण कश्मीर के व्यापारियों ने सूरत से सप्लाई होने वाले कपड़ों के ऑर्डर में कटौती की है और 25 लाख मीटर के मुकाबले 20 लाख मीटर के ऑर्डर रद्द कर दिए हैं।

इससे यह स्पष्ट है कि पहलगाम के आतंकी हमले का असर सूरत के टेक्सटाइल उद्योग पर भी पड़ा है। उल्लेखनीय है कि इस हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया है और हालात युद्ध जैसे बन गए हैं, जिससे यह कहना मुश्किल है कि स्थिति में सुधार कब होगा। ऐसे में आने वाले दिनों में कपड़ों के ऑर्डर मिलेंगे या और रद्द होंगे, इसको लेकर भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

'गोंडल में चल रहे अवैध धंधों का पर्दाफाश करेंगे, यह लड़ाई किसी समाज के खिलाफ नहीं है' —अल्पेश कथीरिया का बयान।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राजकोट के गोंडल में कुछ दिन पहले गणेश जाडेजा और अल्पेश कथीरिया के बीच हुई जुबानी जंग के बाद सामाजिक और राजनीतिक तनाव उत्पन्न हो गया था। सुलतानपुर में आयोजित जनआक्रोश सभा में गणेश जाडेजा की चुनौती के बाद पाटीदार नेता अल्पेश कथीरिया और जिगीशा पटेल ने गोंडल का दौरा किया था, जहां अल्पेश कथीरिया की कार पर हमला भी हुआ था।

इसके बाद सूरत में समस्त कथीरिया परिवार द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में अल्पेश कथीरिया ने कहा, "गोंडल में चल रहे अवैध (दो नंबर) धंधों का पर्दाफाश करेंगे, यह लड़ाई किसी समाज के खिलाफ नहीं है। अब हम शनिवार-रविवार की छुट्टियों और वेकेशन में गोंडल जाया करेंगे।"

कार्यक्रम में अल्पेश कथीरिया ने आगे कहा, "गोंडल किसी की जागीर नहीं है, जब मन होगा तब हम वहां जाएंगे और इस बार पूरी तैयारी के साथ जाएंगे। अब हमारी कार का शीशा क्या, कोई कार्यकर्ता की कॉलर भी न पकड़ सके, ऐसी तैयारी रहेगी। गोंडल में चल रहे अवैध धंधों के सबूत के साथ खुलासे करेंगे।"

"गोंडल में क्या-क्या होता है, वह सब मैं सबूतों के साथ सामने लाऊंगा..."

अल्पेश कथीरिया ने कहा, "गोंडल की यह लड़ाई किसी व्यक्ति के लिए या किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं है और न ही यह किसी समाज के खिलाफ है। पिछले छह महीनों में पांच ऐसी घटनाएं हुई हैं — पाटीदार युवक की पिटाई की गई, कोली समाज के सरपंच को मारा गया, जाट समाज के युवक की मौत हुई। गोंडल क्षेत्र में किसी भी इलाके में जाइए तो डर का माहौल साफ देखा जा सकता है। मैं दावे के साथ कहता हूं कि आने वाले दिनों में वहां क्या-क्या हो रहा है, उसके सबूत मैं पेश करूंगा।"

गोंडल को लेकर अल्पेश कथीरिया ने कहा, "कहाँ-कहाँ अवैध धंधे चलते हैं, कहाँ फर्जी आईडी से कनेक्शन और जुए-सट्टे (गैमलिंग) का कारोबार होता है — इन सबकी पूरी जानकारी हमारे पास है। ऐसे अनगिनत धंधे कुछ परिवार और उनके सदस्य मिलकर चला रहे हैं। जब इनमें से किसी को कुछ कहा जाता है या रोकने की कोशिश होती है, तो तुरंत मारपीट या टकराव की स्थिति पैदा होती है। ऐसी गतिविधियाँ अब नहीं चलेंगी..."

100 साल पुराना अस्पताल पालिका और पुलिस द्वारा

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई न किए जाने पर ट्रस्ट के प्रमुख ने राज्य के गृह मंत्री को पत्र लिखा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम और पुलिस की गंभीर लापरवाही के चलते सूरत का 100 साल पुराना अस्पताल खुद बीमार हो गया है। अतिक्रमण हटाने के लिए संस्था गृह मंत्री की शरण में पहुंची।

सूरत नगर निगम और सूरत पुलिस की गंभीर लापरवाही के कारण सूरत का 100 साल पुराना अस्पताल खुद बीमार हो गया है। शहर के कोट क्षेत्र के लोगों के लिए आशीर्वाद बनी बालाजी रोड पर स्थित इस अस्पताल के आसपास अवैध अतिक्रमणों को पालिका और पुलिस द्वारा नहीं हटाया जा रहा है, जिससे गंभीर मरीजों को लेकर आने वाली एम्बुलेंस भी अस्पताल तक नहीं पहुंच पा रही है। पालिका और पुलिस द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई न किए जाने पर ट्रस्ट के प्रमुख ने राज्य के गृह मंत्री को पत्र लिखा है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि पुलिस विभाग गृह मंत्री के आदेश की अवहेलना नहीं कर सकता, इसलिए आपकी ओर से निर्देश मिलने पर ही यह अतिक्रमण हट सकेगा।

सूरत में अतिक्रमण के लिए कुख्यात बालाजी रोड-चौटा बाजार क्षेत्र में बड़े पैमाने पर फैले अवैध कब्जों के कारण 100 साल पुराना यह अस्पताल संकट में आ गया है। अस्पताल के आसपास अत्यधिक अतिक्रमण होने की वजह से न तो एम्बुलेंस और न ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां यहां पहुंच पाती हैं। एम्बुलेंस के समय पर अस्पताल न पहुंचने के कारण मरीजों की मौत होने की शिकायतें सामने आई हैं। कई बार गंभीर मरीजों को लेकर आने वाली एम्बुलेंस और पुलिस वाहन इन अतिक्रमणों में फंसते हुए देखे गए हैं और ऐसे कई वीडियो भी वायरल हो चुके हैं। इस स्थिति में शहर का यह सबसे पुराना अस्पताल — शह पी.टी. सूरत जनरल हॉस्पिटल — लोगों तक समय पर इलाज पहुंचाने में असमर्थ होता जा रहा है।

इससे पहले ट्रस्ट द्वारा नगर निगम और पुलिस को कई बार निवेदन किया गया था, लेकिन कोई असर नहीं पड़ा। इसी कारण ट्रस्ट के प्रमुख सुनील मोदी ने राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी को पत्र लिखा है। इस पत्र में अस्पताल के आसपास के अवैध अतिक्रमण की पीड़ा व्यक्त की गई है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि 100 साल पुराना यह अस्पताल फेरीवालों और दुकानदारों द्वारा सड़क पर किए गए अवैध अतिक्रमणों के कारण बंद होने की कगार पर पहुंच गया है। इस संबंध में कई बार शिकायत करने के बावजूद नगर निगम के संबंधित विभाग या ट्रैफिक पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई।

ऐसी स्थिति में यह समझना मुश्किल है कि यह लापरवाही तंत्र की बेरुखी है या किसी विशेष समूह का दबाव। इसलिए अब ट्रस्ट ने गृह मंत्री की शरण ली है। ट्रस्ट का मानना है कि पुलिस विभाग गृह मंत्री के आदेश की अनदेखी नहीं कर सकता। पत्र में यह आशा व्यक्त की गई है कि आपके आदेश के बाद अतिक्रमण अवश्य हटेगा। अब यह देखना बाकी है कि इस पत्र के बाद कोई कार्रवाई होती है या नहीं

पहली बार सूरत पहुंचा युद्धपोत 'INS Surat',हजीरा में हुआ स्वागत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के सूरत जिले के चोरयासी तालुका के हजीरा स्थित पोर्ट पर भारतीय नौसेना का अत्याधुनिक युद्धपोत 'INS Surat' पहली बार सूरत पहुंचा है। हजीरा पोर्ट पर इस युद्धपोत का भव्य स्वागत किया गया। 'INS Surat' दो दिनों के लिए सूरत में रुकने वाला है।

सूरत के हजीरा पोर्ट पर 'INS Surat' युद्धपोत का स्वागत करते हुए राज्यसभा सांसद ने कहा, "यह अत्याधुनिक तकनीक से लैस 'INS Surat' युद्धपोत यहां आया है, और यह दो दिनों के लिए यहाँ रुकेगा।"

INS Surat की विशेषताएँ

पिछले 25 वर्षों में बने स्वदेशी डेस्ट्रॉयर (एक प्रकार का युद्धपोत जिसे साधी भाषा में 'विनाशिका' कहा जाता है) की तुलना में INS Surat अधिक आधुनिक है। आइए, एक नजर डालते हैं इस अत्याधुनिक जहाज की विशेषताओं पर-

INS Surat की विशेषताएँ

INS Surat एक से अधिक प्रकार के कार्य कर सकता है। इसका उपयोग 'केरियर टास्क फोर्स' (CTF) से लेकर 'सर्फेस एक्शन ग्रुप्सज्(SAG) और 'सर्च एंड अटैक यूनिट्स' (SAU) के रूप में किया जा सकता है। इसकी बहु-प्रणाली क्षमताओं का उपयोग सेना, पुलिस, राजनयिक और नौसेना की शांति भूमिका के लिए किया जा सकता है।7,400 टन वजन वाले INS Surat की लंबाई 164 मीटर है। 64,000 हॉर्सपावर तक पहुंचने वाली चार गैस टरबाइनों द्वारा यह 30 नॉट्स (लगभग 60 किमी प्रति घंटा) से अधिक गति प्राप्त करने में सक्षम है। इसकी रेंज 7,500 किमी है। अत्याधुनिक तकनीक से लैस यह विनाशिका हथियारों के मामले में भी अव्वल है। इसमें सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (Surface-to-Air Missile), एंटी-शिप मिसाइल, मध्यम और निकटतम दूरी पर फायर करने वाली बंदूकें, पनडुब्बी विरोधी टॉरपीडो, और रॉकेट जैसे हथियार मौजूद हैं।